दैनिक **इंटीग्रेटेड ट्रेड**

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-359 भोपाल, बुधवार 10 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, सफलता का आनन्द उठाने के लिए ये जरूरी है।
- अब्दुल कलाम

पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी, बुधवार, 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:29/5:39
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	32 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला ₹ 49,580

शेयर सूचकांक

बीएसई	60433.45	-112.16
निफ्टी	18044.25	-24.30

सिद्धू के आगे झुकी चन्नी सरकार : पंजाब के एडवोकेट जनरल एपीएस देयोल बदले गए; यूपीएससी से पैनल आने के बाद डीजीपी भी हटाए जाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पंजाब की कांग्रेस सरकार प्रदेश पार्टी प्रधान नवजोत सिद्धू के दबाव में झुक गई है। पंजाब के एडवोकेट जनरल एपीएस देयोल का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। इसकी सूचना गवर्नर को भेजी जाएगी और कल पंजाब में नए AG की नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं, डीजीपी इकबालप्रीत सहोता को भी हटाया जाएगा। इसके लिए सरकार यूपीएससी के पैनल का इंतजार करेगी। हालांकि सहोता का हटना अब तय है। मंगलवार को कैबिनेट के बाद ष्टरू चरणजीत चन्नी ने प्रेस कान्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। इस मौके पर पंजाब कांग्रेस चीफ नवजोत सिद्धू भी उनके साथ मौजूद थे।

- एपीएस देयोल का इस्तीफा मंजूर, नए AG लगाए जाएंगे
- पैनल आने के बाद DGP सहोता को भी हटाया जाएगा
- सिद्धू की पसंद के भी अफसर नियुक्त नहीं किए जाएंगे
- अफसरों के बदलने तक पार्टी का काम नहीं कर रहे थे सिद्धू

जिद पूरी तो सिद्धू बोले-110 फीसदी सहयोग करेंगे

उधर, AG और डीजीपी को हटाने की जिद पूरी होने के बाद पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रधान नवजोत सिद्धू ने कहा कि उनकी व पार्टी संगठन की ओर से सीएम चन्नी और सरकार को 110 फीसदी सहयोग किया जाएगा इससे पहले ष्टरू चन्नी और सिद्धू के बीच मीटिंग हुई। जिसमें स्पष्ट हो गया कि डीजीपी और त्त की छुट् ?टी होनी तय है। इसीलिए सिद्धू भी प्रेस कान्फ्रेंस में पहुंचे। सिद्धू ने इतना जरूर कहा कि उनकी किसी से कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। हालांकि सीधे तौर पर त्त और डीजीपी के बारे में सिद्धू ने कुछ नहीं कहा।

एजी का इस्तीफा मंजूर

एडवोकेट जनरल एपीएस देयोल पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। कैबिनेट की मीटिंग में उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। पिछली कैबिनेट में इस पर चर्चा ही नहीं हुई तो सिद्धू भड़क गए थे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर ही सवाल उठा दिए थे। सिद्धू का कहना है कि एपीएस देयोल ने बेअदबी के गोलीकांड केस में मुख्य आरोपी पूर्व डीजीपी सुमेध सैनी को ब्लैंकेट बेल दिलाई, इसलिए उन्हें नियुक्त करना गलत है। इकबालप्रीत सहोता अभी परमानेंट डीजीपी नहीं हैं। उन्हें सिर्फ डीजीपी का चार्ज दिया गया है। ऐसे में सरकार ने उन्हें हटाने के लिए पैनल का इंतजार करने को कहा है।

आंदोलन का एक साल पूरा होने पर 29 नवंबर को संसद तक ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे किसान

कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के एक साल होने पर किसान 29 नवंबर को संसद भवन तक ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। इसमें करीब 500 किसान शामिल होंगे। संयुक्त किसान मोर्चा ने मंगलवार को अपनी बैठक के बाद इसका ऐलान किया। किसान मोर्चा की यह मीटिंग कुंडली बॉर्डर पर हुई थी। इसमें सभी बड़े किसान नेता मौजूद रहे। किसानों के आंदोलन का 26 नवंबर को एक साल पूरा हो जाएगा।

फडणवीस ने फोड़ा बम, बोले

मलिक का अंडरवर्ल्ड कनेक्शन, मुंबई ब्लास्ट के गुनहगारों से सस्ते में खरीदी जमीन

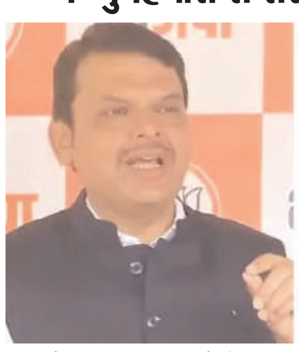

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ड्रग्स मामले में NCB और NCP की शुरू हुई लड़ाई अब BJP तक पहुंच चुकी है। एक ड्रग पैडलर के साथ पत्नी का नाम जोड़ने से नाराज महाराष्ट्र के पूर्व ष्टरू देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके NCP नेता नवाब मलिक पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मलिक की कंपनी ने उन लोगों से जमीन खरीदी है जो 1993 के मुंबई ब्लास्ट के आरोपी हैं। यह जमीन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी है। फडणवीस ने कुछ दिन पहले कहा था कि नवाब मालिक के अंडरवर्ल्ड से संबंध हैं और दिवाली बाद वे बम फोड़ेंगे। कुछ देर बाद नवाब मलिक ने भी क्क्ष्ट बुलाई जिसमें वे फडणवीस के आरोपों पर जवाब दे रहे हैं। इधर प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जो वह बता रहे हैं वह सलीम जावेद की स्टोरी या इंटरवल के बाद की फिल्म नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा मसला है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में देवेंद्र फडणवीस ने दो नाम बताए हैं। इसमें सरदार शाह वली खान और मोहम्मद सलीम पटेल का जिक्र किया गया है। फडणवीस ने बताया कि सरदार शाह वली खान 1993 बम ब्लास्ट का गुनाहगार है, जिसे उम्रकैद हुई थी।

भोपाल : पोस्टमार्टम के लिए 7 बच्चों के शव लाए

मंत्री का दावा- हादसे में 4 की ही मौत नाथ बोले- आंकड़े छिपाने का खेल है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

हमीदिया अस्पताल में आग से मरने वाले बच्चों की संख्या 7 हो गइ है। मॉर्च्यूरी में 7 बच्चों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया, जबकि मैनेजमेंट ने अब तक 4 बच्चों की मौत की ही पुष्टि की है। हमीदिया अस्पताल पहुंचे कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आंकड़े छिपाने का खेल खेल रही है। कमलनाथ करीब आधे घंटे अस्पताल में रुके। इधर, यह भी खबर आ रही है कि तीन बच्चों की मौत अन्य कारण से हो सकती है। इससे पहले अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान मंगलवार सुबह हमीदिया अस्पताल पहुंचे थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे की जांच की जिम्मेदारी सुलेमान को दी है। वे 20 मिनट तक ही यहां रहे। उनके साथ गांधी मेडिकल कॉलेज के डीन भी थे। ष्टरू शिवराज भी हमीदिया आ सकते हैं। परिजनों का दावा है कि 4 बच्चों की मौत की जानकारी सरकार की ओर से दी गई है, लेकिन आंकड़े इससे ज्यादा हैं। उनका कहना है कि रात ढाई बजे से मंगलवार सुबह तक अस्पताल मैनेजमेंट ने कई परिजन को उनके बच्चों की मौत की खबर दी है। ऐसे में आंकड़ा बढ़ सकता है। परिजन के आरोप पर मंत्री विश्वास सारंग का कहना है कि चार बच्चों की ही मौत हुई है, बाकी का बेहतर इलाज चल रहा है।

कमलनाथ ने कहा कि हादसे के बाद अब आंकड़े छिपाने का खेल चल रहा है।

शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग

प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया के कैम्पस में बने कमला नेहरू गैस राहत हॉस्पिटल में सोमवार रात 9 बजे आग लग गई थी। आग अस्पताल की तीसरी मंजिल पर बच्चा वार्ड के स्र्ह्रष्ट में लगी। यहां 40 बच्चे भर्ती थे। बिजली लाइन में शॉर्ट सर्किट हादसा हुआ और पीडियाट्रिक वेंटिलेटर ने आग पकड़ ली। फिर ये आग उस वॉर्मर तक पहुंच गई, जिसमें बच्चों को रखा गया था।

लखीमपुर हिंसा में चली थीं गोलियां : मंत्री के बेटे आशीष, उसके दोस्त और गनर की बंदूकों से हुई फायरिंग

लखीमपुर। लखीमपुर हिंसा मामले बड़ा खुलासा हुआ है। स्नस्रुसे आई बैलिस्टिक रिपोर्ट में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष की रिवाल्वर और राइफल से फायरिंग की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे और मुख्य आरोपी आशीष मिश्र और उसके दोस्त अंकित दास के चार असलहों को जब्त किया था। इसमें अंकित दास की पिस्टल, लतीफ की रिपीटर गन और आशीष मिश्रा की राइफल शामिल थी। पुलिस की तरफ चारों असलहों की स्नस्रु जांच कराई गई,जांच की रिपोर्ट में इन असलहों से फायरिंग की पुष्टि हुई है। कोर्ट ने बैलिस्टिक जांच की रिपोर्ट मांगी थी। इससे पहले ही रिपोर्ट के बाद जेल में बंद इन तीनों आरोपियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इधर, अंकित दास और लतीफ स्द्धञ्ज के सामने जान बचाने के लिए फायरिंग की बात स्वीकार कर चुके हैं।

मुंबई में इमारत गिरी, 9 को बचाया गया; राहत और बचाव का काम जारी

मुंबई। मुंबई के एंटोप हिल इलाके में एक घर ढह गया है। जानकारी के मुताबिक इमारत साउथ-सेंट्रल मुंबई में एंटोप हिल इलाके के जय महाराष्ट्र नगर में बनी थी। इस इमारत के गिरने के बाद 9 लोगों को बचा लिया गया है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में किसी और के फंसे होने की आशंका के मद्देनजर रेस्क्यू टीम खोजबीन में जुटी है।

मुकेश अंबानी के घर का पता पूछ रहे दो संदिग्धों में से एक हिरासत में

मुंबई। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया का पता पूछने वाले दो संदिग्धों में से पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है। उससे ATS पूछताछ कर रही है। नवी मुंबई से हिरासत में लिया गया यह शख्स एंटीलिया को देखने के लिए पता पूछ रहा था। दरअसल कल एक टैक्सी ड्राइवर ने पुलिस को संदिग्धों के बारे में सूचना दी थी, जिन्होंने उससे मुकेश अंबानी के घर का पता पूछा था।

संसद का विंटर सेशन 29 नवंबर से, 24 दिन के सत्र में 20 बैठकें

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होने के आसार हैं। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी CCPA ने राष्ट्रपति को भेजी सिफारिश में 29 नवंबर से 23 दिसंबर तक सत्र बुलाने की बात कही है। CCPA ने अपनी सिफारिश में कहा है कि विंटर सेशन में लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई साथ-साथ चलेगी।

राफेल पर बवाल : कांग्रेस का आरोप- दोगुनी से ज्यादा कीमत पर खरीदे गए जेट; भाजपा बोली- विपक्ष का झूठ उजागर हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एयरफोर्स में हाल ही में शामिल किए गए 36 राफेल जेट पर एक बार फिर सियासी अटैक हुआ है। फ्रांस की मैगजीन मीडियापार्ट की तरफ से हुए कथित खुलासों के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, %केंद्र सरकार द्वारा राफेल डील में भ्रष्टाचार, रिश्वत और मिलीभगत को दफनाने के लिए ऑपरेशन कवर-अप एक बार फिर उजागर हो गया है। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने मीडियापार्ट की रिपोर्ट का ही हवाला देते हुए कांग्रेस पर राफेल डील में कमीशन लेने का आरोप लगाया है। पात्रा ने कहा, राफेल में कमीशन का पूरा मामला 2007 से 2012 के बीच हुआ। इस दौरान देश में UPA की ही सरकार थी। उन्होंने इस पर कार्रवाई क्यों नहीं की?

तमिलनाडु में बारिश के बाद चक्रवात का खतरा

बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज तमिलनाडु

चेन्नई समेत पूरे तमिलनाडु में भारी बारिश से हालात बिगड़े हुए हैं। सड़कों से लेकर लोगों के घरों तक में पानी भर चुका है। अब एक और परेशानी भरी खबर आई है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 24 घंटे में एक चक्रवाती तूफान तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश पहुंच सकता है। आईएमडी के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना कम दबाव का क्षेत्र अगले 24 घंटे में डीप डिप्रेशन में तब्दील हो सकता है। तमिलनाडु के राजस्व और डिजास्टर मैनेजमेंट मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने मंगलवार को बताया कि राज्य में बारिश से 5 लोगों की जान जा चुकी है। निचले इलाकों में बने 538 कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचा है।

वहीं, 4 पक्के मकान पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं। रामचंद्रन ने कहा कि अगर बारिश आगे भी जारी रहती है, तो नुकसान के बढ़ने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात के असर से सेंट्रल तमिलनाडु और राज्य के समुद्र के किनारे बसे जिलों में भारी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके असर से 10 से 13 नवंबर के बीच जोरदार बारिश हो सकती है। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश के दक्षिण तटीय इलाकों में भी भारी बारिश देखने को मिल सकती है। तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में पहले ही बारिश से हालात खराब हैं, ऐसे में चक्रवात की चेतावनी चिंता बढ़ाने वाली है।

चेन्नई, मदुरै, रामेश्वर में पानी ही पानी

लगातार भारी बारिश की वजह से तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के साथ मदुरै और रामेश्वरम में भी बाढ़ के हालात बन गए हैं। सड़कें पानी में डूबी हैं, तो लोगों के घरों में भी पानी पहुंच गया है। हालांकि, प्रशासन ने राहत दल तैनात किए हैं, जो लोगों को जरूरी चीजें पहुंचा रहे हैं, लेकिन बारिश से हुई तबाही के सामने उनकी कोशिशें कमतर साबित हो रही हैं। इधर, तमिलनाडु में चेन्नई से लेकर रामेश्वम तक भारी बारिश ने पहले ही तबाही मचा रखी है। नॉर्थ ईस्ट मानसून की बारिश पिछले 3 दिन से लगातार जारी है और जगह जगह लोग इसमें ट्रैप होकर रह गए हैं।

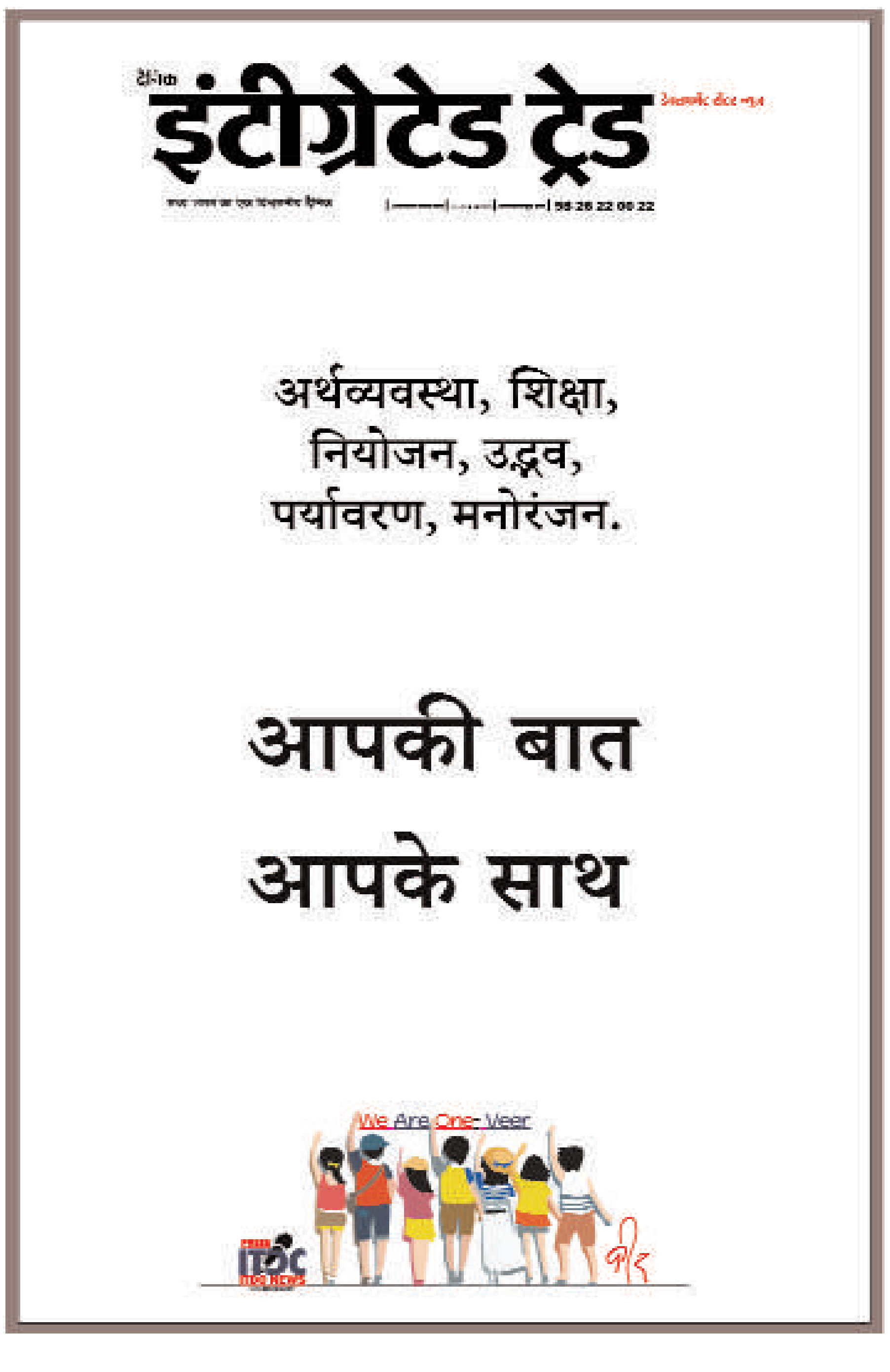

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 KM दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8 9 6 2 6 4 3 9 0 2 , 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8 4 3 5 9 9 9 8 7 5 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x **10**cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC
VACANCIES

खबर की खबर
भविष्य में पंढरपुर को सबसे स्वच्छ तीर्थ स्थल के रूप में देखना चाहता हूं:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वारकरी आंदोलन को महिला शक्ति का प्रतीक बताते हुये कहा कि इस आंदोलन ने भक्ति की शक्ति से मानवता का परिचय कराया है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां आस्था और भक्ति राष्ट्र-भक्ति से जुड़ी है और इसके कई उदाहरण हैं। पंढरपुर को आनंद का प्रत्यक्ष स्वरूप बताते हुए उन्होंने कहा कि पंढरपुर की सेवा मेरे लिए साक्षात् श्री नारायण हरि की सेवा है।

प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र के पंढरपुर में संत ज्ञानेश्वर महाराज पालकी मार्ग (एनएच-965) के पांच खंडों और संत तुकाराम महाराज पालकी मार्ग (एनएच-965जी) के तीन खंडों को चार लेन का बनाने की आधारशिला रखी। साथ ही महाराष्ट्र के पंढरपुर से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 223 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग राष्ट्र को समर्पित किये।इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 350 किलोमीटर लंबे राजमार्गों का निर्माण किया जाएगा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वह इस मार्ग के दोनों तरफ पैदल मार्ग पर कुछ अंतराल पर छायादार वृक्ष लगायें। उन्होंने कहा कि आज जब मैं अपने वारकरी भाई-बहनों से बात कर रहा हूं तो आपसे आशीर्वाद स्वरूप तीन चीजें मांगना चाहता हूं। पहला यह कि आपसब पैदल मार्ग के दोनों तरफ छायादार वृक्ष लगायें। दूसरा आशीर्वाद मुझे यह चाहिए कि इस पैदल मार्ग पर कुछ-कुछ दूरी पर शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था भी की जाए। इन मार्ग पर अनेकों प्याऊ बनाए जाएं। तीसरा आशीर्वाद मुझे चाहिए कि भविष्य में पंढरपुर को मैं भारत के सबसे स्वच्छ तीर्थ स्थलों में देखना चाहता हूं।

जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि तीनों काम जनभागीदारी से ही होंगे। जब स्थानीय लोग स्वच्छता के आंदोलन का नेतृत्व अपनी कमान में लेंगे, तभी हम इस सपने को साकार कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज यहां संत ज्ञानेश्वर महाराज पालकी मार्ग और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग का शिलान्यास हुआ है। संत ज्ञानेश्वर महाराज पालकी मार्ग का निर्माण पांच चरणों में होगा और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग का निर्माण तीन चरणों में पूरा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत में हमारे भारत पर कितने ही हमले हुये! सैकड़ों साल की गुलामी में यह देश जकड़ा गया। प्राकृतिक आपदाएं आईं, चुनौतियां आईं, कठिनाइयां आईं, लेकिन भगवान विट्ठल देव में हमारी आस्था, हमारी दिंडी वैसे ही अनवरत चलती रही। आगे उन्होंने कहा, आज भी यह यात्रा दुनिया की सबसे प्राचीन और सबसे बड़ी जन-यात्राओं के साथ-साथ पीपल मूवमेंट के रूप में देखी जाती है। 'आषाढ एकादशी' पर पंढरपुर यात्रा का विहंगम दृश्य आखिर कौन भूल सकता है।

BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम रिपोर्ट : ग्रीन इकोनॉमी से 9 साल में देश में मिलेंगी 5 करोड़ नई नौकरियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में स्वच्छ ऊर्जा यानी ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना कई तरह से लाभकारी होगा। इससे पर्यावरण तो स्वच्छ होगा ही, अर्थव्यवस्था को भी काफी फायदा होगा। इसके अलावा करोड़ों की तादाद में नई नौकरियां पैदा होंगी। भारत ने साल 2070 तक कार्बन उत्सर्जन शून्य करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए यहां का गैर जीवाश्म ऊर्जा स्त्रोतों की क्षमता 2030 तक बढ़ाकर 500 गीगावॉट तक पहुंचाया जाना है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्लूईएफ) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा।

9 साल में भारत का कार्बन घनत्व 45 फीसदी तक कम हो जाए:- डब्लूईएफ के मुताबिक, साल 2030 तक भारत में ग्रीन एनर्जी के जरिए लगभग 5 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी, वहीं देश के आर्थिक ढांचे में 1 लाख करोड़ डॉलर यानी 74 लाख करोड़ रुपए का योगदान होगा। इस वैश्विक संस्था के मुताबिक, अगले 9 साल में भारत का कार्बन घनत्व 45 फीसदी तक कम हो जाएगा। 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में से 100 करोड़ टन की कमी आएगी और ऊर्जा जरूरतों का 50 फीसदी रिन्युएबल स्त्रोतों से प्राप्त होगा।

परिवहन, इंडस्ट्री और इन्फ्रा में सबसे ज्यादा गुंजाइश

कीर्नी और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से तैयार डब्लूईएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के कार्बन उत्सर्जन में 90 फीसदी योगदान ऊर्जा, परिवहन, उद्योग, बुनियादी ढांचा और शहरों के अलावा कृषि जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों का है। इनमें ग्रीन एनर्जी का इस्तेमाल बढ़ने की तगड़ी संभावना है, जिससे बड़ी तादाद में नौकरियां पैदा होंगी।

पांच लाख करोड़ डॉलर वाली पहली ऑफ-कार्बन इकोनॉमी बनेगा भारत

डब्ल्यूईएफ के भारत और दक्षिण एशिया के उप-प्रमुख श्रीराम गुप्ता के मुताबिक, भारत में फिलहाल प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन काफी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बढ़ सकता है लेकिन इसे मौजूदा स्तर से भी नीचे लाने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे में भारत के दुनिया की पहली 5 ट्रिलियन डॉलर वाली ऑफ-कार्बन (कार्बन-मुक्त) यानी हरित अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया गया है। यह बाद में 10 ट्रिलियन डॉलर वाली दुनिया की पहली हरित अर्थव्यवस्था भी बन सकता है।

न्यूज ब्रीफ

विदेशों ने खोले द्वार सैलानी घूमने को तैयार

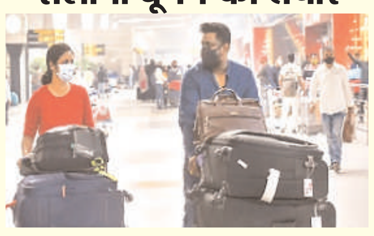

नई दिल्ली। भारतीय टीकों को व्यापक रूप से स्वीकार किए जाने और राष्ट्रों द्वारा प्रतिबंधों में ढील दिए जाने से अवकाश के दौरान घूमने-फिरने वाले देश के पर्यटकों को और अधिक विकल्प मिल गए हैं। हालांकि पिछले साल से दुबई और मालदीव पसंदीदा गंतव्य स्थल रहे हैं, लेकिन अब भारतीय ओमान, श्रीलंका, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका की यात्रा करने की योजना बनाने लगे हैं।
मेकमाईट्रिप के मुख्य परिचालन अधिकारी विपुल प्रकाश ने कहा %हमें नवंबर के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा बुकिंग में खासी उछाल नजर आई है। प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस तिमाही के दौरान अधिकतम यात्रा बुकिंग के साथ यह महीना आगे चल रहा है। ब्रिटेन जाने के लिए सर्च और बुकिंग में खासा इजाफा हुआ है। अब हम अमेरिका जाने के लिए सर्च में समान झुकाव देख रहे हैं। जहां एक ओर अक्टूबर में ब्रिटेन ने कोविशील्ड के टीके लगवाने वाले भारतीय यात्रियों के लिए क्वारंटीन की आवश्यकता वापस ले ली है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका ने सोमवार से पूरी तरह टीकाकरण करवा चुके पर्यटकों के लिए अपने द्वार खोल दिए हैं। पास के गंतव्य थाईलैंड ने 1 नवंबर से भारत सहित 60 देशों के उन यात्रियों का स्वागत करना शुरू कर दिया है, जिनका टीकाकरण हो चुका है। इंडोनेशिया ने बाली आने वाले पर्यटकों के लिए क्वारंटीन की अवधि मौजूदा पांच दिन से घटाकर तीन दिन कर दी है।
श्रीलंका भी आसान कनेक्टिविटी और सस्ती कीमतों की वजह से आगंतुकों को आकर्षित कर रहा है।थॉमस कुक इंडिया के अध्यक्ष और कंट्री हेड (अवकाश) राजीव काले ने कहा %श्रीलंका के फिर से खुलने के परिणामस्वरूप विशेष रूप से दक्षिण भारत से मांग में तेजी आई है।% टूर ऑपरेटरों को थाईलैंड, मॉरीशस और बाली की यात्रा के लिए ग्राहकों की दिलचस्पी भी दिख रही है, जिसने हाल ही में भारतीय पर्यटकों के लिए द्वार खोले हैं। हालांकि विभिन्न देशों के बीच हवाई यात्रा के इंतजामात की कमी के कारण सीमित प्रवेश की वजह से यात्रा की योजनाओं पर असर पड़ रहा है। वर्तमान में भारत और मॉरीशस के बीच कोई यात्री उड़ान नहीं हैं और एयर मॉरीशस ने भारत के लिए उड़ान बहाली के वास्ते सरकार से मंजूरी मांगी है।

इस महीने में 90 हजार डॉलर के पार की उम्मीद

बिटकॉइन की कीमत पहुंची 67,803 डॉलर के पार, 6 महीने में दोगुनी हुई कीमत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में जबरदस्त तेजी है। क्रिप्टो की सबसे लोकप्रिय करेंसी बिटकॉइन की कीमत आज 67,803 डॉलर पर पहुंच गई है। पिछले 6 महीने में इसके भाव में दोगुना का इजाफा हुआ है।

इथर की कीमतों में भी तेजी

बिटकॉइन के बाद दूसरी सबसे लोकप्रिय करेंसी इथर की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। इथर की कीमत इस समय 4,825 डॉलर पर पहुंच गई है। दोनों करेंसी अक्टूबर के बाद से डॉलर की तुलना में 70 फीसदी ज्यादा रिटर्न दी हैं। बिटकॉइन और अन्य करेंसी में अक्टूबर के महीने से तेजी शुरू हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले महीने अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी का एक्सचेंज ट्रेडेड फंड लॉन्च किया गया था। यह पहला बिटकॉइन ETF लॉन्च किया गया था।

9.5 करोड़ डॉलर की रकम आई थी बिटकॉइन में

पिछले हफ्ते बिटकॉइन में कुल 9.5 करोड़ डॉलर की रकम आई थी। सभी डिजिटल असेट्स में यह सबसे ज्यादा रकम थी। जबकि पिछले दो महीने में 2.8 अरब डॉलर की रकम इस असेट्स में आई है। हाल के हफ्तों में ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े बैंक ने कहा था कि वह रिटेल ग्राहकों के लिए क्रिप्टो के कारोबार की ऑफरिंग कर रहा है। क्रिप्टो की अन्य करेंसी बिनांस कॉइन और सोलाना दोनों तीसरे और चौथे नंबर की सबसे लोकप्रिय करेंसी हैं। इनकी कीमतें पिछले 7 दिनों में 20 फीसदी बढ़ी हैं।

पहली बार मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के पार

क्रिप्टो की कीमतों में तेजी से इसका मार्केट कैप पहली बार इस समय 3 लाख करोड़ डॉलर (3 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है। क्रिप्टो में कुल करीबन 13,796 करेंसी इस समय कारोबार कर रही हैं। 15 अक्टूबर को बिटकॉइन की कीमत 60 हजार डॉलर के पार पहुंची थी।

अप्रैल में 64 हजार डॉलर के पार थी कीमत

बिटकॉइन की अभी तक की सबसे ज्यादा कीमत अप्रैल 2021 में थी। उस समय बिटकॉइन 64,889 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। उसके बाद इस करेंसी में भारी गिरावट आई थी। इससे बिटकॉइन की कीमत 30 हजार डॉलर तक पहुंच गई थी। जानकारों का मानना है कि बहुत जल्द बिटकॉइन की कीमत एक लाख डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है।

भारत में 1.5 करोड़ क्रिप्टो के निवेशक

नैस्कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में क्रिप्टो के सेगमेंट में निवेशकों की संख्या 1.5 करोड़ है। बिटकॉइन की तेजी का प्रमुख कारण यह है कि अमेरिका ने बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (श्वञ्जस्न) लॉन्च कर दिया है। इससे पहले अलसल्वाडोर नामक देश ने बिटकॉइन को कानूनी मान्यता दे दी थी। जुलाई में बिटकॉइन की कीमत 32 हजार से भी नीचे पहुंच गई थी। यानी अप्रैल के भाव से इसमें 50 फीसदी की गिरावट आई थी।

बिटकॉइन सबसे लोकप्रिय करेंसी: - क्रिप्टो की तमाम करेंसीज में बिटकॉइन सबसे लोकप्रिय है। चीन में क्रिप्टो का बड़ा बिजनेस था। हालांकि सितंबर में चीन ने क्रिप्टो पर बैन लगा दिया था। उसने सिचुआन में क्रिप्टो करेंसी के माइनिंग प्रोजेक्ट को बंद कर दिया था। क्रिप्टो के जानकारों का मानना है कि इस महीने या अगले महीने बिटकॉइन की कीमत 98 हजार डॉलर और साल के अंत में 1.35 लाख डॉलर तक जा सकती है।

महंगा हुआ होम लोन

कोटक महिंद्रा बैंक ने होम लोन का ब्याज बढ़ाया, अब 6.55 फीसदी मिलेगा कर्ज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

होम लोन के महंगे होने की शुरुआत हो चुकी है। निजी सेक्टर के बैंक कोटक महिंद्रा बैंक ने इसकी शुरुआत की है। बैंक अब घर के लिए दिए जाने वाले कर्ज पर 6.55 फीसदी सालाना ब्याज लेगा। अभी तक यह ब्याज दर 6.50 फीसदी थी।

10 दिसंबर तक लागू रहेगी नई ब्याज दर

बैंक ने सोमवार को इसकी घोषणा की। बैंक ने कहा कि ब्याज की नई दर 9 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच लागू रहेगी। 9 नवंबर और 10 दिसंबर दोनों दिन भी इसमें लागू रहेंगे। कोटक महिंद्रा बैंक ने दावा किया कि बाजार में यह सबसे कम ब्याज दर है। हालांकि पिछले महीने ही यूनियन बैंक ने होम लोन में सबसे कम ब्याज दर को ऑफर किया था।

यूनियन बैंक का ब्याज सबसे कम

यूनियन बैंक इस समय 6.45 फीसदी पर होम लोन दे रहा है। होम लोन इंडस्ट्री में यह सबसे कम ब्याज दर है। इससे पहले सितंबर में कोटक महिंद्रा बैंक ने त्योहारी सीजन में दरों को कम किया था। उस समय बैंक 6.50 फीसदी पर होम लोन देने की घोषणा की थी।

केवल 18 फीसदी भरा आईपीओ, रिटेल निवेशकों का हिस्सा 78 फीसदी सब्सक्राइब, 18,300 करोड़ जुटाएगी कंपनी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े आईपीओ को लेकर रिटेल निवेशकों के बीच ज्यादा क्रेज दिख रहा है। पहले दिन में पेटीएम का आईपीओ 18 फीसदी भरा। लेकिन रिटेल निवेशकों का हिस्सा 78 फीसदी सब्सक्राइब हो गया। हालांकि रिटेल के लिए केवल 10 फीसदी हिस्सा ही रिजर्व है।

पेटीएम ने 4.38 करोड़ शेयर जारी किए:- पेटीएम ने कुल 4.38 करोड़ शेयर जारी किए हैं। इसके एवज में इसे 88.21 लाख शेयर्स के लिए एप्लिकेशन मिली हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट के मुताबिक, 55.57 लाख शेयर्स के लिए कट ऑफ प्राइस पर आवेदन मिले हैं। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस 2,080 से 2,150 रुपए प्रति शेयर रखा है।

8,235 करोड़ एंकर निवेशकों से जुटाए

कंपनी 18,300 करोड़ रुपए में से 8,235 करोड़ रुपए एंकर निवेशकों से 3 नवंबर को जुटा चुकी है। हालांकि एंकर निवेशकों ने अपने हिस्से की तुलना में 10 गुना ज्यादा पैसा लगाया है। एंकर निवेशकों में बिड़ला म्यूचुअल फंड, ब्लैकरॉक, GIC और अन्य ब्लूचिप फंड शामिल थे।

ब्लैकरॉक ने 1,045 करोड़ रुपए निवेश किया:- ब्लैकरॉक ने 1,045 करोड़ रुपए निवेश किया है जबकि कनाडा पेंशन फंड ने 938 करोड़ और त्वद्भष्ट ने 533 करोड़ रुपए का निवेश किया है। 18,300 करोड़ रुपए के इश्यू में से कंपनी को करीबन 45 फीसदी की रकम पहले ही मिल गई है। इसका वैल्यूएशन 1.48 लाख करोड़ रुपए का है।

10 हजार करोड़ रुपए OFS से जुटाया जाएगा

18,300 करोड़ रुपए में से 10 हजार करोड़ रुपए ऑफर फॉर सेल से जुटाया जाएगा। यानी कंपनी में मौजूदा हिस्सेदार अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। पेटीएम लगातार घाटे वाली कंपनी रही है। कभी भी इसने फायदा नहीं कमाया है। पिछले साल इसका घाटा 1,700 करोड़ रुपए था। कंपनी ने सेबी को दी अर्जी में कहा है कि वह भ?विष्य में फायदा कमाएगी, इसकी गारंटी नहीं दे सकती है।

रिटेल निवेशक 12,900 रुपए लगा सकते हैं

रिटेल निवेशक इसमें कम से कम 12,900 रुपए का निवेश कर सकता है। यानी 6 शेयर्स के एक लॉट को आपको लेना होगा। ब्रोकरेज हाउस निर्मल बंग ने इस आईपीओ को लंबे समय के लिए खरीदने की सलाह दी है।

कैडिला सरकार को देगी 265 रुपये में टीके की खुराक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रमुख औषधि कंपनी कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड (जायडस कैडिला) ने आज कहा कि उसे भारत सरकार को प्लाज्मिड डीएनए आधारित दुनिया के पहले टीके जायकोव-डी की 1 करोड़ खुराक की आपूर्ति करने के लिए ऑर्डर मिला है।
भारत सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद कंपनी ने इस टीके की कीमत 265 रुपये प्रति खुराक निर्धारित की है जबकि बिना सूई वाले ऐप्लिकेटर की कीमत 93 रुपये प्रति खुराक होगी। इस पर जीएसटी अलग से देय होगा।
कंपनी के प्रबंध निदेशक शार्विल पटेल ने कहा, हम जायकोव-डी के साथ सरकार के टीकाकरण अभियान में मदद करने से प्रसन्न हैं। हम उम्मीद करते हैं कि बिना सूई वाले ऐप्लिकेटर के जरिये टीकाकरण से अधिक से अधिक लोग खासकर बच्चे और 12 से 18 वर्ष आयु के किशोर कोविड-19 से बचाव के लिए टीकाकरण में शामिल होने के लिए प्रेरित होंगे।
जायकोव-डी मानव उपयोग के लिए विकसित पहला डीएनए प्लाज्मिड टीका है जिसे कोविड-19 वायरस के खिलाफ कंपनी ने स्वदेशी तौर पर विकसित किया है। यह ऐसा पहला कोविड-19 टीका है जिसे बिना सूई के इस्तेमाल किया जा सकता है और इस प्रकार बिना दर्द के और बिना किसी खास दुष्प्रभाव के इसे लगाया जा सकता है।
कंपनी के अनुसार, इस टीके ने करीब 25 डिग्री सेल्सियस तापमान पर कम से कम तीन महीने के लिए अच्छी स्थिरता दर्शायी है।

काम की बात: ईपीएफओ में घर बैठे अपडेट कर सकते हैं बैंक अकाउंट डिटेल, इससे नहीं फंसेगा आपकी मेहनत का पैसा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ईपीएफओ में आपके बैंक अकाउंट की सही जानकारी होना बहुत जरूरी है। बैंक अकाउंट की गलत जानकारी के कारण आपका पैसे निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अगर ईपीएफओ में आपका पुराना या गलत अकाउंट नंबर है तो आप यूनिवर्सल अकाउंट नंबर या.ह्व के जरिए इसे आसानी से अपडेट कर सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं कि आप कैसे घर बैठे ईपीएफओ में अपनी बैंक अकाउंट अपडेट कर सकते हैं।

ये है PF अकाउंट के लिए बैंक अकाउंट डिटेल अपडेट करने की प्रोसेस

ईपीएफओ की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और लॉग इन करें।
टॉप मेनू पर Manage टैब पर क्लिक करें।
ड्रॉप डाउन मेनू से KYC विकल्प पर जाएं और डॉक्यूमेंट टाइप में Bank चुनें।
बैंक खाता संख्या और IFSC कोड सहित नया बैंक अकाउंट की डिटेल दर्ज करें।
इसके बाद Save पर क्लिक करें। इसके बाद आपकी रिक्वेस्ट केवाईसी पेंडिंग फॉर अप्रूवल के तौर पर डिस्प्ले की जाएगी।
एम्प्लॉयर (जिस कंपनी में काम करते हैं) को आवश्यक दस्तावेज जमा करें।
एम्प्लॉयर की ओर से अप्रूव होने के बाद KYC पेंडिंग फार अप्रूवल बदलकर डिजिटली अप्रूव्ड KYC आपको दिखने लगेगा।
अगर ईपीएफओ मेंबर का बैंक अकाउंट SBI में है, तो यह बैंक की ओर से खुद ही डिजिटली वेरिफाइड हो जाएगा। SBI कस्टमर को यह खास सुविधा मिलती है।

PF का ब्याज अकाउंट में ट्रांसफर हुआ:- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने वित्त वर्ष 2020-21 के ब्याज को सब्सक्राइबर्स के खाते में ट्रांसफर करना शुरू कर दिया है।

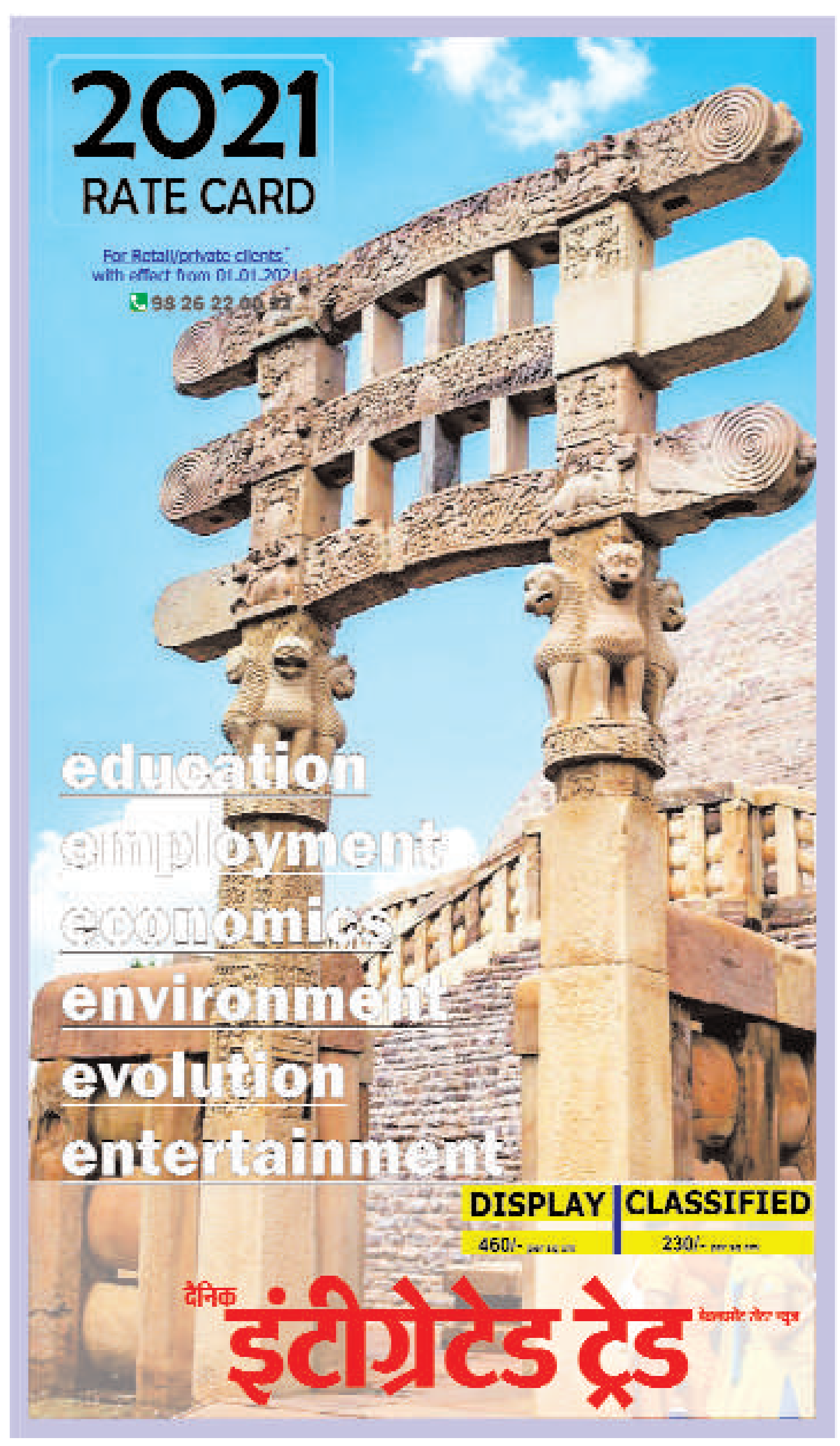

त्योहारों पर गांव-घर जाने का जुनून

सन 2020 की शुरुआत में केंद्र सरकार द्वारा अचानक देशव्यापी लॉकडाउन के फैसले के बाद हमने लाखों बेरोजगार श्रमिकों की घर वापसी का दुखद तमाशा देखा था। परिवहन की सुविधा न मिल पाने के कारण मजदूर पैदल ही अपने गांव लौटने को मजबूर हुए थे। अचानक रोजगार छिन जाने की वजह से उनके पास कोई विकल्प भी नहीं बचा था। यह पलायन कोरोना महामारी की देन था। अप्रत्याशित हालात और सरकार द्वारा लिए गए गलत फैसलों के कारण ऐसा हुआ था, जिस पर दुनिया भर में व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी। मगर आप हर साल होने वाली उस घर वापसी के बारे में क्या कहेंगे, जब दीपावली से कुछ दिन पहले लाखों लोग चेन्नई और बेंगलुरु जैसी अपनी कर्मभूमि को छोड़कर अपनी माटी की ओर लौटते हैं। अस्थाई ही सही, लेकिन यह पलायन भी शोचनीय है। और, त्योहार जैसे ही खत्म होते हैं, ये तमाम लोग अपने-अपने काम पर वापस आ जाते हैं। तमिलनाडु सरकार ने त्योहारी भीड़ से निपटने के लिए 12 लाख अतिरिक्त बसें बेड़े में लगाईं और कई विशेष ट्रेनों की शुरुआत की है। साधन-संपन्न लोग निजी गाड़ियों से ही गांव की ओर विदा हुए, तो शहर के नजदीक रहने वाले दोपहिये से। राज्य सरकार ने दीपावली के अगले दिन शुक्रवार और शनिवार को छुट्टियां घोषित कर दीं, जिस कारण लोगों को जश्न मनाने के लिए चार दिन का समय मिल गया। कहते हैं न, जहां दिल रमे, वही घर है, और इसीलिए शहरवासियों का दिल उन नई जगहों पर भी रम जाता है, जो उन्हें रोजगार व शिक्षा देते हैं और नए सामाजिक संबंध बनाने में मदद करते हैं। मगर तमिलनाडु की बात थोड़ी अलग है। यहां के मूल बाशिंदे अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को सींचने के लिए परिवारों के बीच लौटना पसंद करते हैं। यहां एक परंपरा है। लोग अपने कुल देवता की पूजा करते हैं, और तमाम गांववाले मिलकर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। शहरवासी इन आयोजनों में इसलिए शिरकत करते हैं, क्योंकि इससे उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने में मदद मिलती है। शहर से दूर रहने के कई फायदे और सुख भी हैं। अंधाधुंध दौड़ से आप बच जाते हैं, अपने दादा-दादी, माता-पिता का प्यार पाते हैं, एक बेहतर भावनात्मक रिश्ता बनाते हैं, सादा-सरल जीवन जीते हैं, पौष्टिक खाना खाते हैं, अधिकाधिक आध्यात्मिक व पारंपरिक माहौल पाते हैं, और खराब कनेक्टिविटी के कारण डिजिटल दुनिया की जहरीली आबोहवा से दूर रहते हैं। तमिलनाडु में परंपराओं का पालन पूरे जोश-ओ-खरोश से किया जाता है और इसमें कतई मलिनता नहीं दिखाई जाती। यहां की फिल्मों में भी यह स्पष्ट दिखता है। नायक-नायिकाओं के लिए पारंपरिक पोशाक पहनना और स्थानीय संस्कृति का जश्न मनाना यहां आम है। इसी तरह, कॉलेजों में भी पारंपरिक धोती और साड़ी में छात्र-छात्राओं को आसानी से देखा जा सकता है। युवतियां अपने बालों में फूल सजाती हैं और पुरुष माथे पर विभूति या सिंदूर लगाते हैं। दीपावली के अलावा सूर्य देवता को समर्पित फसलोत्सव पोंगल ही है, जिसे यहां काफी हर्ष-उल्लास के साथ मनाया जाता है। तमिलनाडु बेशक भारत के शहरीकृत सूबों में एक है, लेकिन यहां गांव और शहर में खाई गहरी नहीं है। यहां संचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के हमले, सोशल मीडिया का प्रचार और ऑनलाइन खुदरा कारोबार राज्य के कोने-कोने में व्याप्त हैं, फिर भी खान-पान, भाषा और वेश-भूषा के रूप में हर इलाके की अपनी-अपनी अनूठी संस्कृति और परंपराएं महकती रहती हैं। ऐसे में, घर वापसी और मौसमी प्रवासन कई तरह से राज्य के चरित्र को भी परिभाषित करते हैं। पिछले सात दशकों से सूबाई सियासत पर हावी सुधारवादी आंदोलन और द्रविड़ संस्कृति ने सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत किया है, लेकिन वे लोगों को उनकी धार्मिक परंपराओं और प्रथाओं से दूर नहीं कर सके हैं। लोगों ने धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को अपनाया है, लेकिन अपनी निजी धार्मिक मान्यताओं को छोड़ा नहीं है। दोनों का बराबर अस्तित्व बना हुआ है, क्योंकि यहां के लोग काफी ज्यादा धार्मिक हैं। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि द्रविड़ आंदोलन के अलावा तमिलनाडु में शैववाद की भी जड़ें काफी गहरी रही हैं। नास्तिकता की वकालत करने वाले पेरियार के बरअक्स यहां कुंद्राकडी आदिगल जैसे शैव हिंदूवादी भी हुए हैं। आदिगल ईश्वर में विश्वास रखते थे, लेकिन वह और पेरियार, दोनों ने साथ मिलकर काम किया और दोनों ने जातिवाद के उन्मूलन को लेकर प्रतिबद्धता दिखाई। धर्म के अलावा, लोकप्रिय संस्कृति और स्थानीय शब्दावलियों में प्रकृति व पर्यावरण को भी सांस्कृतिक परंपरा के रूप में देखा जाता है। वनों की कटाई, घटती जैव विविधता, खेती व पशुपालन सहित कृषि पद्धतियों के वन्य जीवन के करीब जाने से वन्य जीवों से होने वाली बीमारियों जैसे मसलों ने लोगों के बीच नई जागरूकता पैदा की है। ग्रामीण इलाकों के विकास के महत्व पर साहित्य और टेलीविजन शो में भी जोर दिया गया है। इन्हीं वजहों से महामारी के कारण नौकरियों और व्यापार पर आए संकट ने कई लोगों को गांवों की ओर लौटने को मजबूर किया। ज्यादातर कुशल कामगार, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मी, जिन्होंने वर्क फ्रॉम होम के कारण सुदूर इलाकों से भी काम करना सीख लिया है, अब पैतृक गांवों में रहने लगे हैं।

संपादकीय

दिखावे का धर्म

चुनावों के वक्त भाजपा का हिंदू-मुस्लिम का तमाशा शुरु हो ही जाता है, आने वाले पांच राज्यों के चुनावों में भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के उदाहरण देखने मिलेंगे। लेकिन इस बार तो चुनावों से पहले ही हिंदू-मुस्लिम शुरु हो गया है। उत्तराखंड में अमित शाह हाईवे पर शुक्रवार को नमाज की बात छेड़ ही आए हैं, फिर मोदीजी केदारनाथ में अयोध्या, राम मंदिर, मथुरा-काशी का जिक्र छेड़कर इस बात को आगे बढ़ाते नजर आए। इधर गुड़गांव में नमाज पढ़ने के लिए दी गई जगह पर भाजपा और विहिप के नेताओं ने गोवर्धन पूजा मनाई और शाहीन बाग से लेकर पाकिस्तान का नाम लेकर भड़काऊ भाषण दिए गए।

अयोध्या में चुनाव से पहले आखिरी दीपावली मनाने के लिए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने न केवल जनता का पैसा बेदर्दी से दीयों में फूंक दिया, बल्कि सरकारी मशीनरी को भी इसमें झोंक दिया। 12 लाख दीयों को जलाने के लिए हजारों लीटर तेल बहाया गया, लेजर शो, 3डी होलोग्राफ़िक शो, आतिशबाज़ी सब का तामझाम रचा गया। अब ये तामझाम जादू की छड़ी घुमाते तो हुआ नहीं, इसके लिए सरकारी अमला दिन-रात जुटा रहा। अब योगीजी ने पांच साल बाद कैराना में घर वापसी का पाखंड रचा। 2016 में प.उत्तरप्रदेश के कैराना से सांप्रदायिक तनाव के कारण पलायन की बात सामने आई थी। हालांकि स्थानीय लोगों ने इसके पीछे सांप्रदायिक तनाव से अधिक कानून व्यवस्था का दोष माना था। मगर आज योगीजी ने कैराना में हिंदुओं की घर वापसी कराते हुए कहा कि मुजफ्फरनगर दंगे और कैराना का पलायन हमारे लिए चुनावी मुद्दा नहीं है। अगर वाकई ऐसा है तो फिर अभी पांच साल पुराने जख्मों को उधेड़ने का काम भाजपा क्यों कर रही है। त्रिपुरा में तो जो सांप्रदायिक तनाव की खबर करे, उस पर यूएपीए लगाया जा रहा है। लेकिन भाजपा के लिए सब माफ है, क्योंकि सत्ता उसकी है। त्रिपुरा से लेकर उत्तराखंड और हरियाणा से लेकर उप्र तक धर्म का ये दिखावा महज इसलिए है ताकि जनता धर्म की इस चकाचौंध में अंधी होकर वोट दे। इस दिखावे का एक नमूना मध्यप्रदेश में भी देखने मिला, जहां एक चैनल ने खबर दी कि प्रज्ञा ठाकुर ने गरीब बच्चों के साथ पटाखे चलाए। चैनल ने एक वीडियो जारी किया, जिस में अक्सर व्हील चेयर पर दिखने वाली भाजपा सांसद एक जगह बम को चिंगारी लगाती नजर आईं, एक जगह कुछ बच्चों के साथ फुलझड़ियां जलाती दिखीं। इन पटाखों से जो प्रदूषण हुआ होगा, वो तो खतरनाक है ही, लेकिन जिस मानसिकता के साथ ये खबर की गई, वो भी कम प्रदूषण फैलाने वाली नहीं है, खबर में बच्चों को गरीब कहा गया है, जबकि सच तो ये है कि बच्चे बच्चे ही होते हैं, अमीर और गरीब की रेखा खींचने का काम समाज के बड़े लोगों ने किया है और इस रेखा को मिटाने की जिम्मेदारी सरकार और समाज दोनों की है, मगर यहां बच्चों को गरीब बताकर उन्हें दया का पात्र बनाया जा रहा है।

खैर भाजपा के नेताओं ने तो दीवाली पूरे दिखावे और चकाचौंध के साथ मना ली, लेकिन शिवराज सरकार के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को इस बात पर आपत्ति है कि गांधी परिवार कभी हिंदू त्योहार मनाते हुए क्यों नहीं दिखता है। दरअसल प्रियंका गांधी ने भाई दूज पर अपने भाई राहुल गांधी के साथ की एक पुरानी तस्वीर ट्विटर पर शेयर की थी, और लिखा था कि मुझे गर्व और खुशी है कि मेरे भाई करुणा प्रेम और साहस के साथ सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस तस्वीर से भाजपा सरकार के मंत्री को तकलीफ हो गई, उन्होंने फौरन प्रियंका गांधी पर निशाना साधा कि गांधी परिवार ने कभी भी हिंदू भावनाओं या उनके त्योहारों की कद्र नहीं की। उन्होंने कहा कि ये लोग केवल चुनाव के समय जनेऊधारी होने का दावा करते हैं। दीपावली मनाते हुए या लक्ष्मी पूजन करते हुए इस परिवार की तस्वीर कभी नहीं दिखी। नरोत्तम मिश्रा से पूछा जाना चाहिए कि ये क्या संविधान में लिखा है कि इस देश के लोग अगर अपनी पूजापाठ की तस्वीर सार्वजनिक करेंगे, तभी हिंदू कहलाएंगे। कायदे से तो धर्म निजी आस्था तक ही रहना चाहिए, उसका प्रदर्शन नैतिक और धार्मिक दोनों तरह से गलत है, क्योंकि उसमें भक्ति भाव की जगह दिखावा नजर आता है। नेहरूजी नेताओं के सार्वजनिक रूप से पूजा-पाठ करने के कभी हिमायती नहीं रहे। धार्मिक पाखंड के बिना भी वे देश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत आगे तक ले कर गए। वैसे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों की मंदिरों में पूजा-पाठ वाली ढेर सारी तस्वीरें हैं। अभी वाराणसी की रैली में तो प्रियंका गांधी ने मंच से दुर्गा स्तुति की। हिंदुत्व की ओर झुकाव कांग्रेस की राजनैतिक मजबूरी बन गई है। लेकिन प्रियंका गांधी से उनके धार्मिक होने का प्रमाण मांगने वालों से सवाल करना चाहिए कि नेता को लोकतांत्रिक होना चाहिए या धार्मिक होना चाहिए। भाजपा और संघ का अंतिम लक्ष्य इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का होगा, लेकिन इस देश का हित इसी में है कि यह सर्वधर्म समभाव वाला भारत बन कर रहे। धर्म के नाम पर जो देश बने, उनकी कट्टरता उन्हें आखिर में बर्बाद कर गई। अपनी हस्ती को बचाने के लिए भारत को इस बर्बादी से बचना होगा।

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की बढ़ोतरी

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के इक्विटी केपिटल घटक, स्वचालित घटक एवं सरकारी घटक तीनों ही घटकों तथा इनके साथ ही स्वचालित और सरकारी, दोनों ही मार्गों से भी निवेश में वृद्धि दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत में सभी मार्गों एवं सभी घटकों के माध्यम से निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, इसके साथ ही सभी औद्योगिक सेक्टरों में निवेश बढ़ा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के इक्विटी केपिटल, पुनर्निवेशित आय एवं इंट्रा कंपनी मार्ग इन तीन मार्गों में से सबसे अधिक निवेश इक्विटी केपिटल मार्ग के माध्यम से तथा स्वचालित और सरकारी मार्ग इन दो मार्गों में से स्वचालित मार्ग माध्यम से अधिक पूंजी निवेश होता है।

- डॉ. हनुमन्त यादव

पहले भारत, विदेशी एफडीआई निवेशकों के पसंद के अधिमान देशों में नौवें स्थान पर था। अब भारत में बढ़ते हुए निवेश को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत पांचवें स्थान पर आ गया है। वर्तमान में निवेश के अनुकूल हेतु परिस्थितियां बनी हुई हैं किंतु कोरोना की तीसरी लहर अभी तक नहीं आई है। उससे मुकाबला करने के लिए सरकार एवं उद्योग व्यवसाय द्वारा पूरी सावधानी बरतने के बावजूद एफडीआई पूंजी निवेश को कितनी क्षति पहुंचेगी उसके बारे में कहना कठिन है।

2021-22 में जून माह के बाद कोरोना की लहर धीमी होने, भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हेतु स्वागत से नियमों को लागू करने एवं निवेश हेतु औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 23 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार अप्रेल से जुलाई 2021 के चार महीनों में 27.37 बिलियन अमरीकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह भारत में हुआ जो 2020 के इन्हीं चार महीनों के 16.92 बिलियन अमरीकी डॉलर के निवेश प्रवाह से 62 प्रतिशत अधिक रहा। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगस्त-सितंबर के दो महीनों में 15.0 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ है। इसको देखते हुए सितंबर में समाप्त छमाही में पिछले साल की छमाही की तुलना में निवेश दुगुना से अधिक हो जाने की संभावना है। भारत में निवेशकर्ता देशों, निवेश प्रवाह प्राप्त राज्यों और उद्योगों से पहले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का आशय, उसके घटकों एवं मार्गों को समझ लेना जरूरी है। भारत के आर्थिक विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफडीआई की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसलिए सरकार का प्रयास रहा है कि वह एक सक्षम और निवेशक अनुकूल नीति लागू करे। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के इक्विटी केपिटल घटक, स्वचालित घटक एवं सरकारी घटक तीनों ही घटकों तथा इनके साथ ही स्वचालित और सरकारी, दोनों ही मार्गों से भी निवेश में वृद्धि दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत में सभी मार्गों एवं सभी घटकों के माध्यम से निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, इसके साथ ही सभी औद्योगिक सेक्टरों में निवेश बढ़ा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के इक्विटी केपिटल, पुनर्निवेशित आय एवं इंट्रा कंपनी मार्ग इन तीन मार्गों में से सबसे अधिक निवेश इक्विटी केपिटल मार्ग के माध्यम से तथा स्वचालित और सरकारी मार्ग इन दो मार्गों में से स्वचालित मार्ग माध्यम से अधिक पूंजी निवेश होता है। भारतीय कानून में किए गए संशोधन के अनुसार चीन और पाकिस्तान के अलावा दुनिया के सभी देशों को भारत की कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की स्वतंत्रता है। उपरोक्त के अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से भी विदेशी पूंजी का देश में प्रवाह होता है। इस माध्यम के अंतर्गत विदेशी कंपनी देश की किसी एक कंपनी के शेयर और बॉण्ड खरीदती है। भारतीय कानून के अनुसार निवेशकर्ता को भारतीय कंपनी की प्रदत्त पूंजी में उसका 24 प्रतिशत तक बिना पूर्व सरकारी अनुमति के निवेश करने की स्वतंत्रता है। 2021-22 साल के पहले चार महीनों में कुल 27.37 बिलियन अमरीकी डॉलर में से 20.42 बिलियन अमरीकी डॉलर का इक्विटी केपिटल के रूप में प्रवाह हुआ था जो 2019-2020 के 9.61 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में 112 प्रतिशत है। 2020-21 की 30 सितंबर को समाप्त पहली छ:माही में सबसे अधिक विदेशी निवेश का प्रवाह ऑटोमोबाइल उद्योग में हुआ है इसमें कुल एफडीआई प्रवाह का 23 प्रतिशत योगदान रहा है। 18 प्रतिशत प्रवाह के साथ कंप्यूटर सॉफ्टवेयर दूसरे स्थान पर तथा 10 प्रतिशत प्रवाह के साथ सेवा क्षेत्र का तीसरा स्थान रहा। पिछले साल इन्हीं चार महीनों में सबसे अधिक 44 प्रतिशत एफडीआई प्रवाह कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर सेक्टर में हुआ था। दूसरे नम्बर पर 13 प्रतिशत प्रवाह अधोसंचना विनिर्माण गतिविधियों तथा तीसरे नम्बर पर 13 प्रतिशत प्रवाह सेवा क्षेत्र में हुआ था।

30 सितंबर को समाप्त तिमाही में कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह का सबसे अधिक 45 प्रतिशत हिस्सा कर्नाटक राज्य का रहा। 23 प्रतिशत प्रवाह हिस्से के साथ महाराष्ट्र दूसरे तथा 12 प्रतिशत हिस्से के साथ दिल्ली राज्य तीसरे स्थान पर रहे। 2019-20 में कुल एफडीए का सबसे अधिक 37 प्रतिशत इक्विटी प्रवाह गुजरात राज्य में हुआ था जबकि 27 प्रतिशत प्रवाह के साथ महाराष्ट्र दूसरे तथा 13 प्रतिशत इक्विटी प्रवाह के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर थे। पिछले एक दशक से भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह और आर्थिक विकास को लेकर बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रारंभ किए गए हैं। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया पहल के एक हिस्से के रूप में पिछले कुछ सालों से सरकार ने कई क्षेत्रों में एफडीआई के नियमों में ढील दी है। अनुकूल जनसांख्यिकी, प्रभावशाली मोबाइल और इंटरनेट की पहुंच, बड़े पैमाने पर खपत और प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे कारकों ने एफडीआई प्रवाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीपीआईटी रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 के अप्रेल से सितंबर के छ: महीनों में पिछले दो सालों की भांति कुल 17.41 अरब डॉलर निवेश प्रवाह के साथ सिंगापुर सबसे अधिक एफडीआई प्रवाह के साथ पहले स्थान पर कायम है।

चीन कर रहा अपनी सर्जरी, भारत भी करे

- भरत झुनझुनवाला

वायु प्रदूषण के नशे में धुत चीन की अर्थव्यवस्था को प्रदूषण पर रोक लगाने से यह संकट पैदा हुआ है। यह भी चीन के लिए शुभ संकेत है। प्रदूषण कम होने से अर्थव्यवस्था मूलत: सुदृढ़ होती है। ऊर्जा का कुशल उपयोग होता है और लम्बे समय में सस्ता माल बनाया जाता है। बिजली महंगी होगी तो बिजली का सदुपयोग होगा और अंत में चीन की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। चीन इस समय तीन संकटों से जूझ रहा है। पहला संकट बेल्ट एंड रोड परियोजना या बीआरआई का है। बीते दो दशकों में चीन ने सम्पूर्ण विश्व को माल निर्यात किया है और चीन को भारी मात्रा में आय हुई है। इस रकम का निवेश करना जरूरी था। चीन ने इसका उपयोग बीआरआई में किया है। इससे चीन के निर्यातकों को और आसानी होगी क्योंकि चीन का माल दूसरे देशों में आसानी से पहुंचा सकेंगे। साथ-साथ चीन की निर्माण कंपनियों को भी बड़े ठेके मिलेंगे। लेकिन दूसरे देशों पर बीआरआई का प्रभाव संदिग्ध है। विश्व बैंक के अनुसार चीन से यूरोप को जाने वाली बीआरआई पर कजाखस्तान और पोलैंड में निर्माण की गतिविधियां बढ़ी हैं। लेकिन बीआरआई में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चीन की नौकरशाही द्वारा परियोजनाओं की लागत को बढ़ा- चढ़ाकर बताया जाता है और पर्याप्त रकम का रिसाव कर लिया जाता है। इस दृष्टि से मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने बीआरआई को 'नए उपनिवेशवाद' बताया है। म्यांमार ने कुछ एक बंदरगाह परियोजना को निरस्त किया है। अन्य तमाम देशों ने परियोजनाओं के आकार में बदलाव की मांग की है। इसलिए बीआरआई के दो परस्पर विरोधी संकेत उपलब्ध है। एक तरफ कजाखस्तान और पोलैंड जैसे देशों को लाभ हो रहा है जबकि दूसरी तरफ मलेशिया जैसे देश इसका विरोध कर रहे हैं। इन दोनों परस्पर विरोधी संकेतों के बीच चीन को बीआरआई की सर्जरी करनी होगी जिसमें कि केवल कुशल परियोजनाओं को लागू किया जाए और परियोजनाओं में रिसाव पर नियंत्रण किया जाए। फिलहाल चीन यह सर्जरी नहीं कर रहा है इसलिए बीआरआई पर संकट विद्यमान रहने की संभावना है।

चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी और दूसरी इसी तरह की विशाल कंपनियों का है। इन कंपनियों ने भारी मात्रा में लोन लिए थे। एवरग्रैंड ने भारी मात्रा में बहुमंजिलें रिहायशी मकान बनाए लेकिन कोविड संकट के कारण इनकी बिक्री नहीं हो सकी। फलस्वरूप यह कंपनी लोन से दब गई और समय के अनुसार रीपेमेंट नहीं कर पा रही थी। इस तरह की कंपनियों के डूबने से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में संकट पैदा न हो इसलिए शी जिनपिंग ने नियम बनाया कि किसी भी कंपनी को लोन तब ही दिए जायेंगे जब वे तीन शर्तों को पूरा कारेंगी। पहली शर्त थी कि कंपनी की कुल संपत्ति, कंपनी के द्वारा लिए गए कुल लोन से अधिक होनी चाहिए।

दूसरी शर्त थी कि कंपनी के पास अल्प समय में लोन के रिपेमेंट को जितनी रकम की जरूरत है उससे अधिक नगद उपलब्ध होना चाहिए। तीसरी शर्त थी कि कंपनी के अपनी पूंजी या शेयर कैपिटल की तुलना में लिया गया लोन कम होना चाहिए। जिन कंपनियों द्वारा इन तीनों शर्तों को पूरा किया जाता था केवल उन्हीं को बैंक लोन दे सकते थे। एवरग्रैंड इन तीनों ही शर्तों को पूरा नहीं कर सकी। फलस्वरूप एवरग्रैंड को नए लोन नहीं मिल सके। वह लिए गए लोन का रिपेमेंट नहीं कर सकी क्योंकि उसके द्वारा बनाए गए रिहायशी मकान बिक नहीं रहे थे। इस संकट से उबरने के लिए एवरग्रैंड को अपनी संपत्तियों को कम मूल्य पर बेचना पड़ा।

बल्कि चीन की सरकार ने सार्वजनिक इकाइयों को आदेश दिए कि एवरग्रैंड की संपत्तियों को वे कम दाम पर खरीद सकते हैं। इस प्रकार भारी भरकम लोन से दबी हुई एवरग्रैंड कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर अपने को हलका बनाना पड़ रहा है। यदि सरकार इस प्रकार का सख्त कदम नहीं उठाती तो बैंक इस कंपनी को और लोन देते रहते और आने वाले समय में यह बड़े संकट के रूप में संपूर्ण चीन की अर्थव्यवस्था को डूबा सकती थी। इसलिए चीन द्वारा अपनी वित्तीय अर्थव्यवस्था की सर्जरी की गई है ऐसा मानना चाहिए। इसे मैं इसमें चीन के लिए मैं शुभ संकेत मानता हूं क्योंकि स्वयं अपने ऊपर लाये गए इस छोटे संकट से चीन अपनी अर्थव्यवस्था को भविष्य में बड़े संकट से बचा सकेगा। वर्तमान में चीन के सामने तीसरा संकट बिजली का है। इसका कारण यह है कि शी जिनपिंग ने प्रदूषण करने वाले थर्मल संयंत्रों द्वारा वायु के प्रदूषण किए जाने पर रोक लगाई है। कोयले से बिजली उत्पादन करने वाले कई संयंत्र बंद हो गए हैं और बिजली का संकट पैदा हो गया है। नशेड़ी को गुटखा न दिया जाए तो वह पस्त हो जाता है। इसी प्रकार वायु प्रदूषण के नशे में धुत चीन की अर्थव्यवस्था को प्रदूषण पर रोक लगाने से यह संकट पैदा हुआ है। यह भी चीन के लिए शुभ संकेत है। प्रदूषण कम होने से अर्थव्यवस्था मूलत: सुदृढ़ होती है। ऊर्जा का कुशल उपयोग होता है और लम्बे समय में सस्ता माल बनाया जाता है। बिजली महंगी होगी तो बिजली का सदुपयोग होगा और अंत में चीन की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

जोशना बनर्जी आडवानी की कविता प्रेम में ज़ैब्रा क्रॉसिंग होना

कितना सरल है
डींगे मार पाना खुद की
बेशर्मियों पर
कितना कठिन है
खुद की खामोशियों के
जोखिम उठाना
कितना सरल है
अलग़रज़ उबासियों के
फ़सल उगाना
कितना कठिन है
चौकन्ना रह कर इज़्ज़त की
खपरैल बनाना
कितना सरल है
मौलवी,पादरी और
जनेऊधारी बन जाना
कितना कठिन है
भस्म कर देना मकसदों के
परमाणुओं को
कितना सरल है
पहाड़ो की छाती से फूटा
हुआ पानी पीना
कितना कठिन है
इंग्लिश कैफे मे सौंफ और
मिश्री का मिलना
बहरहाल
सरल और कठिन से परे
एक नैमत है प्रेम में ज़ैब्रा
क्रॉसिंग हो जाना
थम जाना इस असीमित
ब्रहमाण्ड में
बिछ जाना दुनिया भर के
कारोबार के नीचे

ठेकुआ बिना अधूरा है छठ का पर्व, न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया सेहत के लिए कैसे है फायदेमंद

छठ पूजा कार्तिक महीने के छठे दिन मनाया जाने वाला चार दिन का प्राचीन हिंदू त्योहार है, जो इस साल 8 नवंबर को नहाया-खाय के साथ शुरू हो चुका है। त्योहार के तीसरे दिन बनाया जाने वाला ठेकुआ प्रसाद स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

नवरात्रि और दिवाली के बाद अब पूरे देश में छठ पूजा का त्योहार मनाया जा रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, छठ का व्रत संतानप्राप्ति और उसकी कुशलता के लिए किया जाता है। चतुर्थी तिथि पर नहाय -खाय से इस पर्व की शुरूआत होती है। छठ पूजा के तीसरे दिन खासतौर से ठेकुआ प्रसाद बनता है। यह प्रसाद त्योहार के तीसरे और चौथे दिन भगवान सूर्य और छठी मैया को चढ़ाया जाता है और अंतिम दिन उषा अर्घ्य के बाद पूजा के समापन पर भक्तों को वितरित किया जाता है। ठेकुआ को खजूर या टिकरी के नाम से भी जानते हैं। डाइट विशेषज्ञ डॉ. रूपाली महाजन के अनुसार, किसी भी त्योहार में उपवास रखने का वैज्ञानिक कारण बॉडी को डिटॉक्सीफाई करना होता है। इसी तरह छठ पूजा में बनने वाला प्रसाद ठेकुआ सर्दी में शरीर को ठंड से बचाने के साथ इम्यूनिटी बढ़ाता है। यहां न्यूट्रिशनिस्ट ने ठेकुआ के कुछ स्वास्थ्य लाभ बताए हैं।

लंबे समय तक तृप्त रखे

ठेकुआ घी, आटा और गुड़ से तैयार किया जाने वाला इंडियन कुकीज है। ये दोनों ही आपको लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। यदि आप वजन कम करने के लिए भोजन के बीच कुछ स्वस्थ नाश्ते की तलाश में है, तो ठेकुआ अच्छा विकल्प है।

ठेकुआ के स्वास्थ लाभ

एनर्जी लेवल बढ़ाए: दिनभर काम करके शरीर थक जाए या फिर उपवास के कारण कमजोरी महसूस हो, तो ठेकुआ खाने से आपको तुरंत एनर्जी मिल जाती है। इसमें प्रमुख घटक के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले गेहूं में विटामिन बी-1, विटामिन बी-3, विटामिन ई, कैल्शियम, फास्फोरस जैसे पोषक तत्व होते हैं। साथ ही इसमें मौजूद गुड़ आपको इंस्टेंट एनर्जी देता है, इससे आपको कमजोरी महसूस नहीं होती।

पाचन में सुधार करे: ठेकुआ बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री जैसे आटा, गुड़, सूखे मेवे, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं। ये सभी लीवर को डिटॉक्स कर पाचन में सुधार करते हैं। इसके सेवन से गैस और कब्ज की समस्या से भी राहत मिलती है।

एनीमिया से बचाव करे

चूंकि यह कुकी गुड़ से तैयार होती है और गुड़ में आयरन बहुत अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसलिए जिन लोगों के शरीर में खून की कमी या एनीमिया है उनके लिए ठेकुआ बहुत फायदेमंद साबित होता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

ठेकुआ में मिलाए जाने वाले ढेर सारे सूखे मेवे एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, मिनरल और फाइबर से भरपूर होते हैं। इससे आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली अच्छी हो सकती है। इसाके अलावा ठेकुआ का सेवन फ्लू, संक्रमण, और अन्य सामान्य बीमारियों को रोकने में बहुत मदद करता है।

क्या है ठेकुआ

ठेकुआ एक हेल्दी इंडियन कुकी है, जो गेहूं के आटे , गुड़ , चीनी, सूखे मेवे, सूखे नारियल और घी जैसी चीजों से बनती है। आटे में ये सभी सामग्री मिलाई जाती हैं। इस मिश्रण को पकौड़ी का शेप देने के लिए एक मोल्ड में रखने के बाद निकालकर डीप फ्राई किया जाता है। डीप फ्राई हाने के बाद इनकी बाहरी परत कुरकुरी और भीतरी हिस्सा नरम होता है। स्वाद में यह कुकीज मीठी होती हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए ठेकुआ एक हेल्दी स्नैक ऑप्शन है।

प्रदूषण की चादर से ढंका देश, अस्थमा के मरीज ऐसे करें फेफड़ों का बचाव

दिल्ली और उसके आस पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण बहुत खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रदूषण की वजह से लोगों को न केवल सांस लेने में दिक्कत हो रही है। बल्कि उनकी आंखें भी जल रही हैं और खांसी भी हो रही है। हालांकि कुछ सप्ताह में यह स्थिति अपने आप ठीक हो जाएगी। लेकिन इसकी वजह से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है और उन लोगों को भी रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम हो सकती हैं, जिन्हें नहीं हैं। वहीं अगर किसी व्यक्ति को अस्थमा की समस्या है तो उसकी वजह से उनका अस्थमा ट्रिगर हो सकता है या इसकी वजह से उनकी स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को इन दिनों कुछ खास उपाय अपनाने होंगे। ताकि वह स्वस्थ रह सकें। आइए जानते हैं अस्थमा के मरीजों को किस तरह इस प्रदूषण से बचना चाहिए।

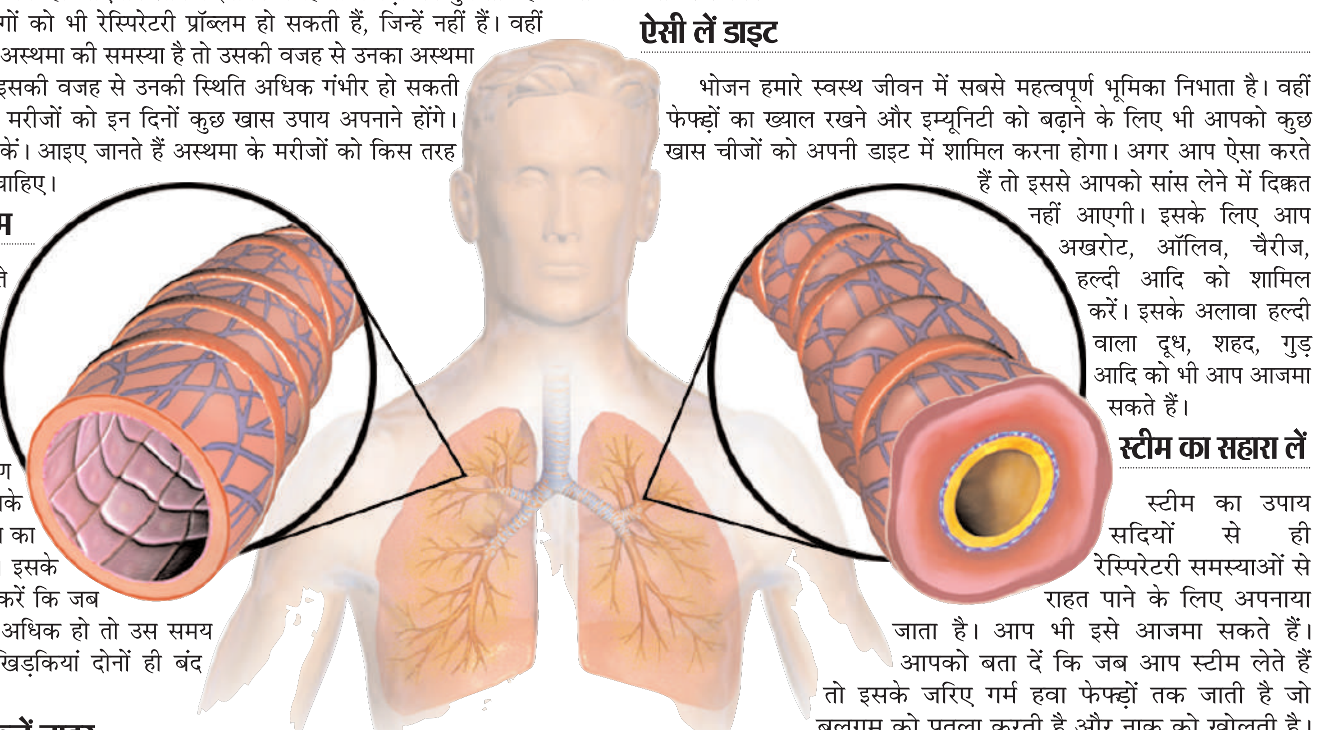

घर में करें यह काम

घर में भोजन बनाते समय अगर वायु को बाहर निकलने की जगह ना मिले तो इससे प्रदूषण बढ़ने लगता है। ऐसे में ध्यान रखें कि घर में प्रदूषण का स्तर ना बढ़े। इसके लिए आप इंडोर प्लांट्स का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा आप कोशिश करें कि जब बाहर प्रदूषण का स्तर अधिक हो तो उस समय घर के दरवाजे और खिड़कियां दोनों ही बंद रखें।

जरूरी हो तभी निकलें बाहर

बाहर निकलने से पहले इस बात का खास ध्यान रखें की वायु में प्रदूषण का स्तर क्या है। वहीं अगर ज्यादा जरूरी ना हो तो बाहर बिल्कुल ना निकलें, कोशिश करें कि आपके सभी काम घर से ही हो जाएं। इसके अलावा बाहर भी केवल समय और प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखकर ही निकलें। घर में ही एक्सरसाइज करें।

जरूर पहनें अपना मास्क

कोरोना के दौरान हमने एक आदत बना ली है वह है मास्क पहनने की। दीवाली के बाद प्रदूषण के छोटे - छोटे कणों से खुद को बचाए, रखने के लिए इसका ही हमें पालन करना है। जब भी आप बाहर निकले, याद से एन 95 मास्क अच्छी तरह से लग लें। इसके जरिए प्रदूषण के कण आपके फेफड़ों तक प्रवेश नहीं कर पाएंगे और आपको खांसी और सांस फूलने से जैसी समस्या भी नहीं होगी। साथ ही यह आपको फ्लू और कोविड से भी बचाकर रखेंगे।

ऐसी लें डाइट

भोजन हमारे स्वस्थ जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं फेफड़ों का ख्याल रखने और इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए भी आपको कुछ खास चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे आपको सांस लेने में दिक्कत नहीं आएगी। इसके लिए आप अखरोट, ऑलिव, चैरीज, हल्दी आदि को शामिल करें। इसके अलावा हल्दी वाला दूध, शहद, गुड़ आदि को भी आप आजमा सकते हैं।

स्टीम का सहारा लें

स्टीम का उपाय सदियों से ही रेस्पिरेटरी समस्याओं से राहत पाने के लिए अपनाया जाता है। आप भी इसे आजमा सकते हैं। आपको बता दें कि जब आप स्टीम लेते हैं तो इसके जरिए गर्म हवा फेफड़ों तक जाती है जो बलगम को पतला करती है और नाक को खोलती है। जिससे फेफड़ों और गले को प्रदूषण के कणों से राहत मिलती है। अगर आप रोजाना बाहर जाते हैं तो कम से कम दिन में दो बार स्टीम लें।

अपनी दवा जरूर ले लें

स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए सबसे जरूरी चीज कोई है तो वह है दवा। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपनी दवा का सेवन सही समय पर करें। इसके अलावा अस्थमा के मरीजों को हमेशा ही अपना इनहेलर अपने पास रखना चाहिए, ताकि अगर सांस लेने में दिक्कत हो तो तुरंत इससे राहत पाई जा सके। वहीं अगर आपको इनहेलर या उपाय से राहत नहीं मिल ही तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

आयुर्वेद के अनुसार कब क्या किसके साथ नहीं खाना चाहिए, जानें विरुद्ध आहार क्यों है जहर समान

कहते हैं ना कि आप जो खाते हैं, वैसे ही आप दिखते हैं। हालांकि स्वस्थ भोजन करते वक्त भी आपको सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि कुछ फूड कॉम्बिनेशन न केवल आपकी आंत को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, हर खाद्य पदार्थ का शरीर पर अलग ऊर्जा, स्वाद और प्रभाव होता है, इसलिए कुछ खाद्य पदार्थों का एक साथ सेवन करते समय आपको थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है। आयुर्वेदिक डॉक्टर डॉ. दीक्सा भावसार ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर विरूद्ध आहार को लेकर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने कुछ फूड कॉम्बिनेशन के बारे में बताया है, जिनसे अपको बचना चाहिए।

क्या है विरूद्ध आहार: डॉ. भावसार कहती हैं कि विरूद्ध का मतलब विपरीत है। कुछ खाद्य पदार्थ स्वभाविक रूप से हानिकारक होते हैं। जबकि कुछ ऐसे होते हैं, जो अकेले तो बहुत गुणकारी होते हैं, लेकिन जब इन्हें किसी खाद्य पदार्थ के साथ लिया जाए, तो ये फायदे की जगह उल्टा नुकसान पहुंचा देते हैं। इसे ही विरूद्धाहार कहते हैं। मछली और दूध, फल और दूध, शुद्ध शहद और घी जैसी दो गुणकारी चीजें एक साथ मिलाकर और गलत समय पर ली जाएं, तो यह हमारे शरीर को कई तरह से प्रभावित कर सकती हैं।

फल और दूध का संयोजन: हममें से कई लोग फलों को दूध के साथ मिलाकर खाना पसंद करते हैं। खासतौर से केले को। विशेषज्ञ के अनुसार, केले को दूध, दही और छाछ के साथ नहीं खाना चाहिए। क्योंकि इन दोनों का मेल आपके पाचन को बिगाड़ सकता है और शरीर में विषाक्त पदार्थों का उत्पादन कर सकता है। केले को इन पदार्थों के साथ लेने पर सर्दी, खांसी और एलर्जी की संभावना बन सकती है।

पेट दर्द और ऐंठन की समस्या से मिलेगा केवल 5 मिनट में छुटकारा, अपनाएं जीरे पानी का ये जोरदार नुस्खा

त्योहारों के इस माहौल में खाने पीने के इतने पदार्थ मौजूद होते हैं कि कोई चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाता। ऐसे में कई बार लोग इतना ज्यादा खा लेते हैं कि पेट में दर्द, ऐंठन या पेट खराब होने की समस्या पैदा हो जाती है। ऐसे में कई लोग खुद ही डॉक्टर बनने लगते हैं और इन समस्याओं से राहत पाने के लिए कई दवाएं तक खाने लगते हैं। जबकि यह पूरी तरह गलत हैं। हालांकि आप चाहें तो कुछ घरेलू उपाय को आजमा सकते हैं। ऐसा ही घरेलू उपाय हमें बता रहे हैं है लाइफ कोच ल्यूक कॉटिन्हो। दरअसल हाल ही में ल्यूक कॉटिन्हों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है जिसमें वह पेट के दर्द, ऐंठन या इससे जुड़ी अन्य समस्या से राहत पाने के लिए एक घरेलू उपाय बता रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है यह उपाय।

पेट दर्द के लिए जीरे सौंफके पानी की सामग्री

1 चम्मच जीरा
1 छोटी चम्मच सौंफ
4 काली मिर्च
3 लौंग
एक चुटकी अजवाइन
पानी

जीरा सौंफ पानी बनाने की विधि

इसके लिए सबसे पहले आप एक पैन में पानी और सभी सामग्रियों को डालें।

अब इसे 5 से 7 मिनट तक उबालें

फिर कुछ 3 से 4 मिनट अच्छी तरह और सामग्रियों को पकने दे

अब इसे किसी एक कप में डाले

इसके बाद इसे आप गर्म - गर्म ही पी लें। यह आपको पेट दर्द से राहत दिला देगा।

ल्यूक की राय

ल्यूक पेट दर्द से राहत पाने के लिए इस काढ़े को दिन में से 3 बार पीने की सलाह देते दिखाई देते हैं। उनके मुताबिक यह काढ़ा 4 साल की आयु से बड़े बच्चों और वयस्कों दोनों को ही दिया जा सकता है। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस काढ़े को पीने से भी राहत नहीं मिलती तो आप डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें और जांच कराएं। हालांकि वह इस काढ़े को बहुत ज्यादा असरदार मानते हैं और उन्हें लगता है कि यह पेट दर्द की समस्या को आसानी से खत्म कर सकता है। लेकिन साथ ही वह लोगों को इस पोस्ट में चेताते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। वह इस पर लोगों को यह भी नसीहत देते दिखाई दे रहे हैं कि किसी भी उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

पिस्ते के गुणों का बखान

इससे पहली सोशल मीडिया पोस्ट में ल्यूक ने पिस्ता के गुण के बारे में भी बताया है। ल्यूक के मुताबिक पिस्ता खाने से ना केवल नींद बेहतर होती है, बल्कि यह आपकी इम्यूनिटी, बेहतर करने का भी काम करता है। साथ ही यह मसल्स गेन और फैट घटाने के लिए फायदेमंद होता है। यही नहीं पिस्ता को आंखों के लिए भी ल्यूक ने फायदेमंद बताया। ध्यान रहे कि एक हेल्दी डाइट ही आपको शारीरिक रूप से कई समस्याओं से बचाकर रख सकती है।

सामान्य Dengue से ज्यादा खतरनाक है इसका ये बुखार, हड्डियों पर सीधे करता है वार

भले ही मानसून का मौसम चला गया हो, लेकिन देश में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस साल डेंगू इतना खतरनाक है कि लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ रही है। यह सब हुआ है वायरस के नए डी2 स्ट्रेन के कारण। कोविड-19 के साथ डेंगू के नए लक्षणों की वजह से सही समय पर इसका इलाज भी कठिन हो गया है।

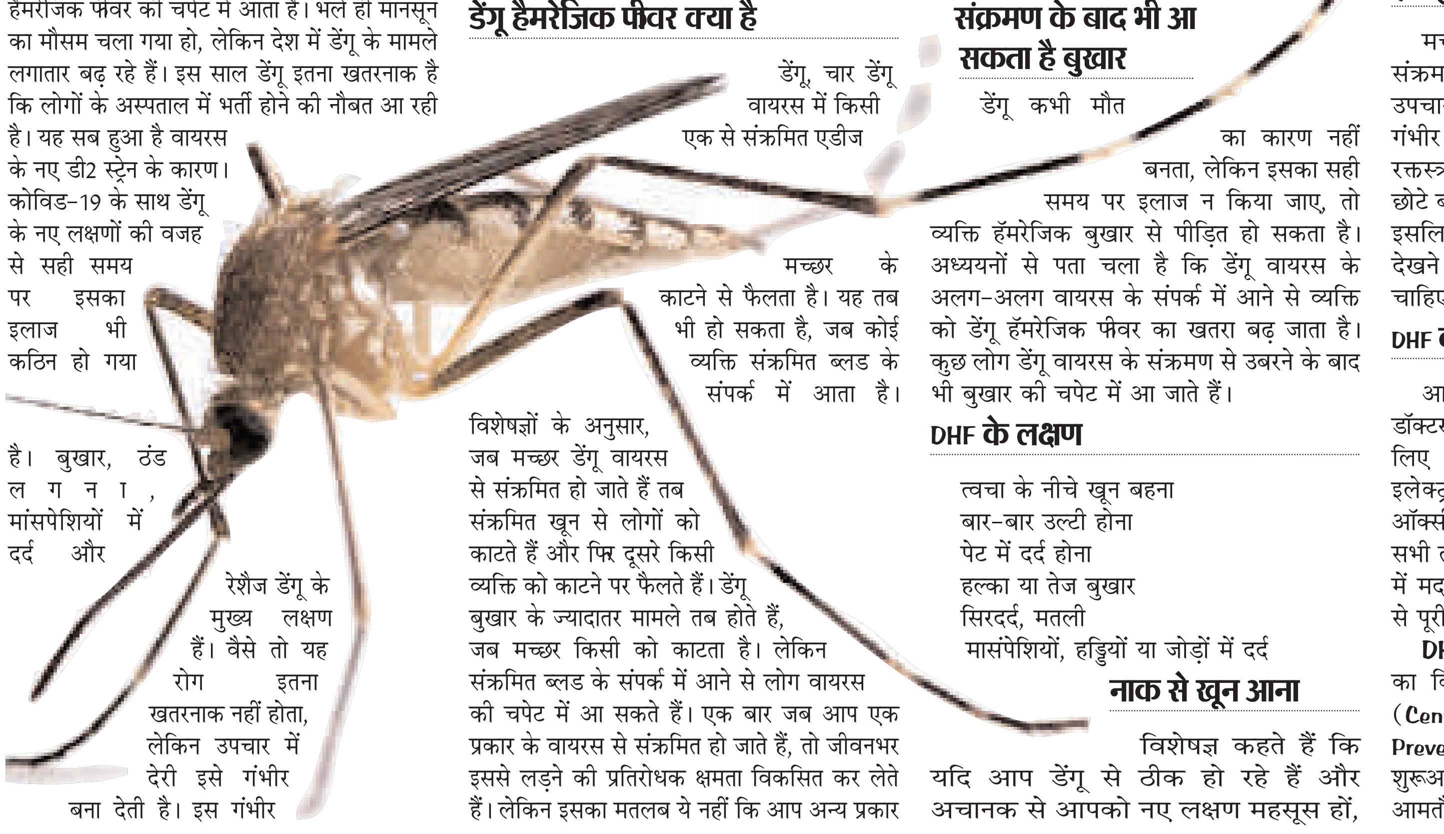

जब मच्छर डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाते हैं, तब संक्रमित खून से लोगों को काटते हैं और फिर दूसरे किसी व्यक्ति को काटने पर फैलते हैं। इससे व्यक्ति डेंगू हैमरेजिक फीवर की चपेट में आता है। भले ही मानसून का मौसम चला गया हो, लेकिन देश में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस साल डेंगू इतना खतरनाक है कि लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ रही है। यह सब हुआ है वायरस के नए डी2 स्ट्रेन के कारण। कोविड-19 के साथ डेंगू के नए लक्षणों की वजह से सही समय पर इसका इलाज भी कठिन हो गया है। बुखार, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द और रेशैज डेंगू के मुख्य लक्षण हैं। वैसे तो यह रोग इतना खतरनाक नहीं होता, लेकिन उपचार में देरी इसे गंभीर बना देती है। इस गंभीर स्थिति को डेंगू हैमरेजिक फीवर के रूप में जाना जाता है। तो आइए जानते हैं क्या है डेंगू हैमरेजिक फीवर या DHF और क्या हैं इसके लक्षण।

डेंगू हैमरेजिक फीवर क्या है

डेंगू, चार डेंगू वायरस में किसी एक से संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। यह तब भी हो सकता है, जब कोई व्यक्ति संक्रमित ब्लड के संपर्क में आता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब मच्छर डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाते हैं तब संक्रमित खून से लोगों को काटते हैं और फिर दूसरे किसी व्यक्ति को काटने पर फैलते हैं। डेंगू बुखार के ज्यादातर मामले तब होते हैं, जब मच्छर किसी को काटता है। लेकिन संक्रमित ब्लड के संपर्क में आने से लोग वायरस की चपेट में आ सकते हैं। एक बार जब आप एक प्रकार के वायरस से संक्रमित हो जाते हैं, तो जीवनभर इससे लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप अन्य प्रकार के वायरस से बचे रहेंगे। एक व्यक्ति डेंगू वायरस के सभी प्रकार के वायरस के संपर्क में कभी भी आ सकता है।

संक्रमण के बाद भी आ सकता है बुखार

डेंगू कभी मौत का कारण नहीं बनता, लेकिन इसका सही समय पर इलाज न किया जाए, तो व्यक्ति हॅमरेजिक बुखार से पीड़ित हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि डेंगू वायरस के अलग-अलग वायरस के संपर्क में आने से व्यक्ति को डेंगू हॅमरेजिक फीवर का खतरा बढ़ जाता है। कुछ लोग डेंगू वायरस के संक्रमण से उबरने के बाद भी बुखार की चपेट में आ जाते हैं।

DHF के लक्षण

त्वचा के नीचे खून बहना
बार-बार उल्टी होना
पेट में दर्द होना
हल्का या तेज बुखार
सिरदर्द, मतली
मासंपेशियों, हड्डियों या जोड़ों में दर्द

नाक से खून आना

विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि आप डेंगू से ठीक हो रहे हैं और अचानक से आपको नए लक्षण महसूस हों, तो यह डेंगू रक्तस्त्रावी बुखार यानी ष्ठ।।स्न का संकेत हो सकता है।

इस बुखार का सबसे ज्यादा खतरा किसे है

मच्छर जनित रोग डेंगू किसी भी व्यक्ति में संक्रमण की वजह बन सकता है। यहां तक की उपचार में देरी और लापरवाही की, तो इसके गंभीर लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। डेंगू रक्तस्त्रावी बुखार का खतरा सबसे ज्यादा शिशु , छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाएं और बुजुर्गों को है। इसलिए अगर इन लोगों में यहां बताए गए लक्षण देखने को मिलें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

DHF का इलाज कैसे होता है

आपकी स्थिति कितनी गंभीर है, इस आधार पर डॉक्टर उपच ार देते हैं। दर्द कम करने के लिए दवाएं लिख सकते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रोलाइट थैरेपी, ब्लड ट्रांसफ्यूजन और ऑक्सीजन थैरेपी की सलाह भी दे सकते हैं। ये सभी तरीके डेंगू के लक्षणों को कम करने से रोकने में मददगार हैं। इनसे आपका शरीर प्राकृतिक रूप से पूरी तरह ठीक हो जाता है।

DHF इस बात पर निर्भर करता है, कि स्थिति का कितनी जल्दी पता लगाया जाता है। **CDC** (Centers for Disease Control and Prevention) के अनुसर, डेंगू संक्रमण के शुरूआती चरणों में देखभाल करने वाले लोग आमतौर पर एक सप्ताह के भीतर ठीक हो जाते हैं।

ज्यादा शक्तिशाली होंगे चीनी राष्ट्रपतिः100 साल के इतिहास में तीसरा संकल्प-पत्र

जिनपिंग के खिलाफबयान देना अपराध होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अब और भी ज्यादा शक्तिशाली होना लगभग तय है। जिनपिंग के खिलाफबयानबाजी को चीन में अपराध की कैटेगरी में डाला जा सकता है। उनके खिलाफ उठी हर आवाज को दबा दिया जाएगा। 8 नवंबर से बीजिंग में चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी का चार-दिवसीय कॉनक्लेव शुरू हुआ है। ये सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का छठा पूर्ण सत्र है। बैठक में 'ऐतिहासिक संकल्प-पत्र' जारी किया गया है, जिसमें ष्टष्टक्क के 100 सालों की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान जिनपिंग के तीसरे कार्यकाल पर भी मुहर लग सकती है। 11 नवंबर तक चलने वाली बैठक में CCP के लगभग 370 वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। पूरी बैठक बंद कमरे में हो रही है। इस बार के संकल्प-पत्र में और क्या-क्या है, इसको लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फ्लिहाल बस कयास लगाए जा रहे हैं।

100 साल के इतिहास में केवल दो संकल्प-पत्रः जुलाई 1921 की बैठक में चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी की नींव रखी गई थी। सौ सालों के इतिहास में चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी सिर्फदो संकल्प-पत्र लेकर आई है। पहला 1945 में और दूसरा 1981 में। इन संकल्पों के जरिए माओत्से तुंग और देंग जियाओपिंग को शक्तियां बढ़ाने में मदद मिली थी। ऐसे में तीसरे संकल्प पत्र के बाद चीन के मौजूदा राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अब और भी ज्यादा शक्तिशाली होना लगभग तय है। माना जा रहा है कि जिनपिंग को माओत्से तुंग और देंग के बाद चीन का 'युग-पुरुष' घोषित किया जा सकता है।

जिनपिंग ने दो टर्म की बाध्यता खत्म कर दी थी

शी जिनपिंग इस दशक में चीन के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। जिनपिंग 2012 में सत्ता में आए थे। जिनपिंग से पहले राष्ट्रपति रहे सभी नेता पांच साल के दो कार्यकाल या 68 साल की आयु होने के अनिवार्य नियम के बाद रिटायर हो चुके हैं। 2018 में चीन ने राष्ट्रपति पद के लिए दो टर्म की बाध्यता खत्म कर दी थी। ऐसे में जिनपिंग चाहें तो पूरी उम्र के लिए राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। जिनपिंग का दूसरा कार्यकाल अगले साल खत्म हो रहा है, लेकिन ये तय माना जा रहा है कि वह तीसरा कार्यकाल भी लेंगे।

जिनपिंग के दौर में चीन के हालात

- शी जिनपिंग के कार्यकाल में जमीन की भूख बढ़ी
- LAC पर सीमा विवाद इसी का नतीजा
- 10 से ज्यादा देशों के साथ चीन का सीमा विवाद
- इंटरनेट की आजादी में चीन काफी पीछे
- ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में चीन 85वें स्थान पर
- चीन में सबसे ज्यादा मौत की सजा
- चीन में मीडिया को स्वंतत्रता नहीं
- माओ कहते थे, सत्ता बंदूक की नली से निकलती है

माओ के इसी फॉर्मूले पर जिनपिंग चल रहे हैं

पहले संकल्प-पत्र में पार्टी के संघर्षों पर बात

माओ के संकल्प-पत्र का नाम- 'रिजॉल्यूशन ऑन सर्टेन क्वेश्चन्स इन द हिस्ट्री ऑफ अवर पार्टी' था। इसमें शंघाई नरसंहार से लेकर लॉन्ग मार्च तक के पार्टी के बीते दो दशकों के संघर्ष पर बात की गई थी। पार्टी काडर की वफ़ादारी हासिल करने के लिए ऐसा किया गया था। इसके बाद माओ ने सितंबर 1976 में अपने मरने तक चीन पर शासन किया।

दूसरे संकल्प पत्र में माओ की नीतियों की आलोचना

माओ की मौत के बाद डेंग जियाओपिंग चीन के सुप्रीम लीडर बने। 1981 में वो दूसरा संकल्प-पत्र लेकर आए। इसमें पार्टी की स्थापना से लेकर उनके समय तक के इतिहास का ज़िक्र किया गया था। संकल्प-पत्र में जियाओपिंग ने माओ की नीतियों की आलोचना की थी और माओ की नीतियों में भारी फेरबदल किया था। उन्होंने इकोनॉमिक रिफॉर्म्स पर काफी जोर दिया था, जिससे चीन के बाज़ार बाकी दुनिया के लिए खुलने लगे थे।

बहाना या चालःअफगान मुद्दे पर दिल्ली में होने वाली मीटिंग में हिस्सा नहीं लेंगे चीन के NSA, पाकिस्तान पहले ही बना चुका है दूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

10 नवंबर को नई दिल्ली में अफगानिस्तान पर NSA मीटिंग होने वाली है। पाकिस्तान पहले ही इस मीटिंग में हिस्सा लेने से इनकार कर चुका है। अब चीन ने भी कहा है कि इस मीटिंग के शेड्यूल से उसे कुछ दिक्कत है, लिहाजा उसके नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर इस मीटिंग में हिस्सा लेने भारत नहीं जा पाएंगे।

भारत को जानकारी दीः सोमवार शाम चीन ने मीटिंग में शामिल होने से इनकार किया और इसका कारण भी बताया। चीन ने कहा- हमने भारत को अपने फैसले के बारे में जानकारी दे दी है कि उनके NSA मीटिंग में शामिल होने के लिए नई दिल्ली नहीं आ सकेंगे। इसकी वजह कुछ शेड्यूलिंग इश्यूज हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, चीन ने कहा है कि वो अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत से बातचीत और हर तरह के सहयोग के लिए तैयार है और इस मुद्दे पर जो भी बहुपक्षीय या द्विपक्षीय मामले होंगे, उन पर सहयोग करेंगे।

डोभाल करेंगे अध्यक्षताः 'दिल्ली रीजनल सिक्योरिटी डायलॉग ऑन अफगानिस्तान का आयोजन 10 नवंबर को भारत कर रहा है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसकी अध्यक्षता करेंगे। पाकिस्तान इसमें शिरकत से पहले ही इनकार कर चुका है, अब चीन भी बहाना बनाकर इस मीटिंग से दूर हो गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत ने पाकिस्तान के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन ये भी कहा कि उसे इस फैसले से हैरानी नहीं है। अफगानिस्तान को लेकर पाकिस्तान का रवैया दुनिया के सामने है और भारत भी जानता है कि पाकिस्तान वहां क्या कर रहा है।

मीटिंग तो होगीः पाकिस्तान और चीन भले ही इस अहम मीटिंग में न आ रहे हों, लेकिन इसके बावजूद यह मीटिंग तय वक्त पर होगी। ईरान, रूस, उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान के NSA इस मीटिंग के लिए नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि अब तक किसी भी देश ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है।

गुरुग्राम में धुंध की मोटी परत के कारण कम दृश्यता के बीच वाहनों की आवाजाही रही।

म्यांमार में 30 लाख से अधिक लोगों को मानवीय सहायता की जरूरतः संयुक्त राष्ट्र

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता प्रमुख ने म्यांमा0र के सैन्य नेतृत्व से आग्रह किया है कि बढ़ती असुरक्षा और हिंसा, कोविड-19 तथा गिरती अर्थव्यवस्था के मद्देनजर देश के 30 लाख लोगों को मानवीय सहायता निर्बाध उपलब्ध कराई जाए। संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने सोमवार को कहा कि म्यांमार में सेना द्वारा एक फरवरी को सत्ता हथियाने के बाद से 30 लाख लोगों को ''जीवन रक्षक'' मानवीय सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि म्यांमार संकट के शांतिपूर्ण समाधान और हिंसा को खत्म किये बिना कष्ट झेल रहे लोगों की संख्या में इजाफा ही होगा। ग्रिफिथ्स ने कहा कि सेना द्वारा आंग सान सू ची की सरकार को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद 38 करोड़ 50 लाख डॉलर की सहायता राशि की जरूरत है, जिसमें से आधी राशि की ही व्यवस्था हो सकी है। उन्होंने अन्य देशों से मदद के लिए आगे आने का आग्रह किया। म्यांमार में 2020 में हुए चुनाव की सोमवार को पहली वर्षगांठ थी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफेन दुजारिक ने कहा कि इन चुनावों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा स्वतंत्र तथा पारदर्शी करार दिया गया था। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र (म्यांमा की) सेना से पुनः अपील करता है कि जनता की इच्छा का सम्मान किया जाए और देश में फिर से लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल की जाए।

न्यूज ब्रीफ

पति के गले में पट्टा डालकर कुत्ते की तरह घुमाया, बोली- इससे रोमांस बढ़ता है

नई दिल्ली। पति और पत्नी जब शॉपिंग करने या घूमने जाते हैं तो बकायदा तैयार होकर और हाथ में हाथ डालकर जाते हैं। लेकिन सोचिए कोई पत्नी अपने पति के गले में कुत्ते का पट्टा बांधकर बाजार में घूमने जाए तो शायद यह सबसे हैरान करने वाला नजारा होगा। ब्राजील से ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां एक महिला अपने पति को घुमाने निकली तो उसे 'कुत्ते' की तरह वहां लेकर गई। दरअसल, यह घटना ब्राजील के एक शहर की है। 'डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने अपने पति को कुत्ता बनाया फिर स्टेशन और बाजार में घुमाने निकल पड़ी। इतना ही नहीं महिला ने पति के गले में चेन से बना पट्टा बांध रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक महिला का नाम लौना और उसके पति का नाम आर्थर है। इस नजारे को जिसने भी देखा वह हैरत में पड़ गया और सोचने लगा कि महिला ऐसा क्यों कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले महिला ने अपने पति को कुत्ते की पोशाक पहनाई और उनके गले में पट्टा बांध दिया। इतना ही नहीं उसने अपने पति के मुंह पर कुत्ते का मुखौटा भी लगा दिया था जो दिखने में काले रंग का दिख रहा है। इस दौरान स?टेशन पर कपल ने फोटोशूट भी कराया। एक फोटो में पति आर्थर के गले में चेन से बना पट्टा बांधक उन्हें खींचती हुई दिख रही हैं। जबकि एक जगह दोनों खरीदारी करते भी दिख रहे हैं।

इशारे ने बचाया घरेलू हिंसा सेः इस कपल की कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि लोग उन्हें घूर रहे हैं। कपल ने खुद बताया कि लोग हमें देखकर आश्चर्य में आ गए। स्टेशन पर जाने के बाद वे दोनों अन्य सार्वजनिक जगहों पर भी गए। एक तस्वीर में पति अपनी पत्नी को सैंडल पहनाते हुए दिख रहा है ऐसा लग रहा है मानों वे इसे खरीदने वाले हैं। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि कपल ने बताया कि इस तरह से कुत्ता बनकर सार्वजनिक स्थान पर जाने से सेक्स की इच्छा बढ़ती है और रोमांस बढ़ता है।

कश्मीर के श्रीनगर में अपने बेटे मोहम्मद इब्राहिम खान के अंतिम संस्कार के दौरान शोक में डूबी एक महिला। पुलिस ने कहा कि बंदूकधारियों ने कश्मीर में पेशे से सेल्समैन खान की गोली मारकर हत्या कर दी।

ड्रैगन का जंग का इरादाःचीन ने रेगिस्तान में अमेरिकी वॉरशिप के मॉडल बनाए, इनके जरिए टारगेट हिट करने की प्रैक्टिस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

चीन और अमेरिका के बीच कई मुद्दों और कई क्षेत्रों में तनाव बढ़ता जा रहा है। कुछ क्षेत्र तो ऐसे हैं जहां कभी भी सैन्य टकराव हो सकता है। यही वजह है कि चीन अब अमेरिकी नेवी और खासतौर पर उसके वॉरशिप्स को तबाह करने की प्रैक्टिस कर रहा है। इसके लिए उसने अपने रेगिस्तानी इलाके में अमेरिकी वॉरशिप्स और डेस्ट्रॉयर के मॉडल बनाए हैं। इनके जरिए चीनी सैनिक यूएस वॉरशिप्स को हिट करने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। चीन अपनी तरफ से जंग की तमाम तैयारियां कर रहा है। इसके लिए उसने उत्तर-पश्चिमी रेगिस्तानी इलाके रुकियांग में अमेरिकी वॉरशिप के मॉडल तैयार किए हैं। अमेरिका के कोलोरेडो स्थित सैटेलाइट इमेज प्रोवाइडर मैक्सार टेक्नोलॉजी ने चीन के इस प्लान का खुलासा किया है। मैक्सार ने कुछ सैटेलाइट इमेजेस जारी किए हैं। इनसे साफ हो जाता है कि चीन अब अमेरिकी नेवी से टकराने के लिए किस तरह की तैयारियां कर रहा है। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड से लेकर मिलिट्री तक कई जगह तनाव चल रहा है। खासतौर पर साउथ चाइना सी, ताइवान और हिंद-प्रशांत में टकराव ज्यादा है।

ताइवान ने कहा- हमारी सुरक्षा को गंभीर खतरा, चीन हमारे पोर्ट और एयरपोर्ट बंद कर सकता है

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच तनाव जारी है। इसी कड़ी में ताइवान ने कहा है कि चीनी सैनिक ताइवान के प्रमुख एयरपोर्ट और पोर्ट को ब्लॉक करने में सक्षम हैं। ताइवान ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर सुरक्षा ख़तरा बताया है। बता दें कि चीन ने लगातार ताइवान को धमकी दी है कि वह ताइवान को चीन का हिस्सा बनाएगा। चीनी राष्टपति शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जा करने को लेकर सैन्य कारवाई से भी इनकार नहीं किया है। ताइवान पर नियंत्रण के लिए चीन लगातार सैन्य गतिविधियों को तेज करने में लगा हुआ है। ताइवान सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी किया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले दो सालों में चीनी युद्ध विमानों ने 554 बार ताइवान की सीमा में घुसपैठ की थी।

PAK में नया रागःइमरान के फाइनेंस एडवाइजर की अवाम को धमकी, टैक्स नहीं दिया तो वोट का हक भी नहीं मिलेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के फाइनेंस एडवाइजर शौकत तरीन के एक बयान से मुल्क में विवाद पैदा हो गया है। तरीन का कहना है कि मुल्क में जो लोग इनकम टैक्स और जीएसटी नहीं देंगे, उनको मतदान का अधिकार भी नहीं मिलेगा। शौकत पिछले महीने तक मुल्क के वित्त मंत्री थे, लेकिन वे सीनेट के लिए नहीं चुने जा सके तो उन्हें पद छोड़ना पड़ा और इमरान ने उन्हें रातों-रात अपना फाइनेंस एडवाइजर बना दिया।

टैक्स नहीं तो वोट भी नहीं

शौकत तरीन सोमवार को राजधानी इस्लामाबाद में कामयाब जवान कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कारोबारियों को आगाह करते हुए कहा- पाकिस्तान के तमाम कारोबारियों से मैं एक बात जोर देकर कहना चाहता हूं। हर बिजनेसमैन को टैक्स तो देना ही होगा। अगर वो टैक्स नहीं देंगे तो फिर उन्हें वोटिंग का अधिकार भी नहीं मिलेगा। इनकम टैक्स और जीएसटी देंगे तो बाकी टैक्स में कटौती की जी सकती है। अब हम लोगों से टैक्स देने की भीख नहीं मांगेंगे। अगर छोटे और मध्यम कारोबार और आईटी सेक्टर वालों के पास पैसा नहीं है तो सरकार उनकी मदद करने को तैयार है।

IMF से डील नहीं कर पाए थे तरीन

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस वक्त बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है। पिछले महीने तक शौकत तरीन मुल्क के फाइनेंस मिनिस्टर थे। उनके भाई जहांगीर तरीन पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री हैं। शौकत एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल लेकर पिछले महीने न्यूयॉर्क गए थे। वहां उनकी इ्रूस्न बोर्ड से 11 दिन तक बातचीत चली। इसके बावजूद वे पाकिस्तान को 6.5 बिलियन डॉलर का पैकेज तो छोड़िए, इसकी पहली किस्त तक नहीं दिला पाए। इसके बाद सीनेट का चुनाव हारे तो फाइनेंस मिनिस्टर की कुर्सी भी चली गई। इमरान ने उन्हें फाइनेंस एडवाइजर बना दिया।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय नई दिल्ली में 'छठ पूजा' की तैयारी का निरीक्षण करने के लिए भलस्वा घाट के दौरे के दौरान।

न्यूज ब्रीफ

PCB से संबंध सुधारने के लिए ECB के सीईओ पाक दौरे पर, रमीज राजा के साथ करेंगे बैठक

कराची। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी टॉम हैरिसन पिछले महीने दौरा रद्द किए जाने के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ बिगड़े संबंधों को सुधारने के लिए पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा के साथ बैठक करेंगे। पीसीबी सूत्रों के अनुसार राजा से मिलने के अलावा हैरिसन को इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री इमरान खान से भी मुलाकात करनी है। इसके बाद वह टी20 विश्व कप के फाइनल और 17 नवंबर को आईसीसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के लिए दुबई रवाना हो जाएंगे। इंग्लैंड की पुरुष टीम 2005 के बाद पहली बार अक्टूबर में पाकिस्तान का दौरा करने वाली थी, जबकि उनकी महिला टीम भी पहली बार यहां के दौरे पर आने वाली थी। ईसीबी ने हालांकि खिलाड़ियों के ''मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य%% तथा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दोनों श्रृंखलाएं रद्द कर दी थी। ऑस्ट्रेलिया ने हाल में अगले साल पाकिस्तान दौरा करने की घोषणा की थी जिसके बाद हैरिसन ने अपनी यात्रा का कार्यक्रम बनाया।

इंटर और एसी मिलान का मैच ड्रा छूटा, वेरोना ने नैपोली को बराबरी पर रोका

मिलान। इंटर मिलान को आत्मघाती गोल के कारण शहर के अपने प्रतिद्वंद्वी एसी मिलान के साथ इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का मैच 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा जबकि वेरोना ने भी नैपोली को बराबरी पर रोका। एसी मिलान के पूर्व मिडफील्डर हाकेन कालाहोंगलु ने 11वें मिनट में इंटर की तरफ से पेनल्टी को गोल में बदला। एसी मिलान ने डिफेंडर स्टीफन डि विरिज के आत्मघाती गोल से बराबरी की। नैपोली और एसी मिलान दोनों के 12 मैचों में समान 32 अंक हैं। नैपोली ने भी इससे पहले वेरोना से अपना मैच 1-1 से ड्रा खेला था। इंटर मिलान तीसरे स्थान पर है लेकिन उसके शीर्ष पर काबिज दोनों टीमों से सात अंक कम हैं। वेरोना को डेनियल वेसा और निकोला कालिनिच को लाल कार्ड मिलने के कारण नैपोली के खिलाफ मैच के अंतिम क्षणों में नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। जियोवानी सिमोन ने सातवें मिनट में वेरोना की तरफ से गोल किया लेकिन उसकी बढ़त केवल पांच मिनट तक कायम रही। नैपोली की तरफ से जियोवानी डि लारेंजो ने बराबरी का गोल दागा।

ड्रेसिंग रूम में इमोशनल हुए शास्त्री-कहा- हम एक-दो आईसीसी ट्रॉफी जीत सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ; आगे फिर मिलेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रवि शास्त्री और विराट कोहली के युग का अंत टी-20 विश्व कप में भारत के अभियान के साथ ही खत्म हो गया। इस जोड़ी ने भारत को ट्रॉफी नहीं जिताई, लेकिन ऊंचे आयाम तक जरुर पहुंचाया है। टूर्नामेंट में नामीबिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने के बाद रवि शास्त्री ने खिलाड़ियों व साथी सपोर्ट स्टाफ के सामने अपना पद छोड़ते हुए स्पीच दी, जिसका वीडियो खुद BCCI ने शेयर किया है।

इमोशनल हुए रवि शास्त्री

अपनी विदाई स्पीच में शास्त्री ने ड्रेसिंग रूम में कहा- एक टीम के तौर पर आपने अपेक्षा से ज्यादा हासिल किया है। पिछले

पांच साल में पूरी दुनिया में जाकर हर फॉर्मेट में आपने टीमों को हराया है। ये क्रिकेट इतिहास की सबसे बढ़िया टीम गिनी जाएगी, क्योंकि हर किसी के सामने देखने के लिए रिजल्ट हैं। उन्होंने आगे कहा- हां, हमारा टूर्नामेंट अच्छा नहीं रहा। हम एक-दो आईसीसी ट्रॉफी जीत सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन यही खेल है, आपको फिर मौका मिलेगा, अब अनुभव के साथ आगे जाएंगे। जिंदगी में सिर्फ वही सब कुछ नहीं है जो आपने हासिल किया, ये भी मायने रखता है कि आप कहां से आए हैं। रवि शास्त्री ने अंत में कहा- ये टीम हर चुनौती को स्वीकार कर सकती है, यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है।

स्पीच खत्म होने के बाद टीम के सभी खिलाड़ियों से गले मिलते नजर आए। बता दें, शास्त्री के साथ-साथ बॉलिंग कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर श्रीधर का कार्यकाल भी वर्ल्ड कप के साथ ही समाप्त हो गया।

2017 में बने थे टीम इंडिया के कोच

रवि शास्त्री साल 2017 में टीम इंडिया के हेड कोच बने थे। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने 2019 के वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और 2021 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक का सफर तय किया था। शास्त्री के कार्यकाल में टीम इंडिया ने लगातार दो बार ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर टेस्ट जीतने का रिकॉर्ड बनाया था।

टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर, टीम इंडिया अराज जयपुर आएगी

3 दिन तक होटल में ही क्वारैंटाइन रहेंगे खिलाड़ी दर्शकों की मौजूदगी में होगा भारत-न्यूजीलैंड टी-20 मैच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर हो चुकी है, लेकिन राजस्थान के खेल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 17 नवंबर को टी-20 मैच खेला जाएगा। इसके लिए टीम इंडिया 10 नवंबर को जयपुर पहुंच रही है। इसमें भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड से मुकाबला करेगी। स्टेडियम में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि जयपुर में कोरोना के बाद पहली बार दर्शकों की मौजूदगी में इंटरनेशनल क्रिकेट मैच होगा।

10 नवंबर को जयपुर आएगी भारतीय टीम

जयपुर में 17 नवंबर को होने जा रहे टी-20 मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी 10 नवंबर को जयपुर पहुंचेंगे। जो 3 दिन तक होटल में ही क्वारैंटाइन रहेंगे। इसके बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी 14 से 16 नवंबर तक सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रैक्टिस करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम भी टी-20 वर्ल्ड कप के बाद सीधे जयपुर पहुंचेगी। जहां पर क्वारैंटाइन पीरियड पूरा होने के बाद न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों की टी-20 सीरीज का

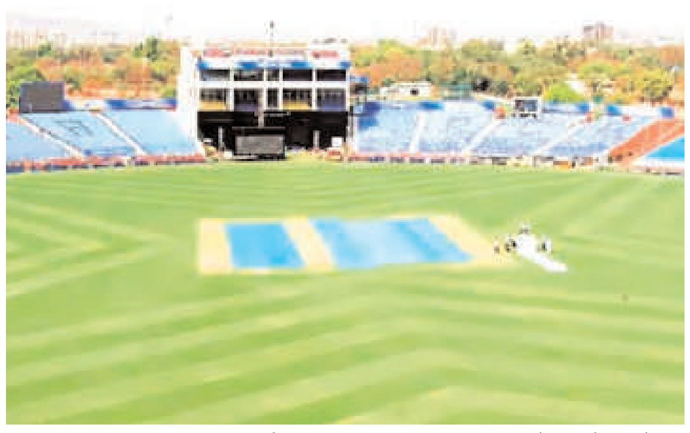

पहला मुकाबला खेलेगी। इसके बाद 18 नवंबर को दोनों टीमें दूसरे मुकाबले के लिए जयपुर से रांची रवाना होगी।

दर्शकों की मौजूदगी में होगा मैच

राजस्थान सरकार ने कोरोना की नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसमें कोरोना गाइडलाइन के नियमों के तहत 100 फीसदी कैपेसिटी के साथ खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन की अनुमति है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में दर्शक दीर्घा बनानी शुरू कर दी है। आरसीए सचिव महेंद्र शर्मा ने बताया कि मैच के दौरान RTPCR टेस्ट या फिर वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट वाले दर्शकों को ही स्टेडियम में मैच देखने की अनुमति दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि आरसीए ने सरकार से दर्शकों की 100 फीसदी मौजूदगी को लेकर मार्गदर्शन मांगा है। ऐसे में राज्य की अनुमति के बाद मैच के टिकट काउंटर शुरू किए जाएंगे।

कप्तान और कोच की जयपुर में होगी पहली परीक्षा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया है। ऐसे में बतौर कोच राहुल द्रविड़ की पहली परीक्षा जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगी। जहां भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड से मुकाबला करेगी।

विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद जयपुर के स्स्र् स्टेडियम में ही भारतीय टीम नए कप्तान के साथ पहला मुकाबला खेलेगी। अब तक भारतीय टीम के नए कप्तान का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सूत्रों के अनुसार रोहित शर्मा का नाम लगभग फाइनल हो चुका है। स्स्र् जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 8 साल बाद होने जा रहा क्रिकेट मैच कई महीनों में काफी खास होने जा रहा है।

2013 में हुआ था आखिरी मैच

जयपुर को 16 अक्टूबर 2013 में अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी मिली थी। तब ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का वनडे मुकाबला हुआ था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 359 रनों का विशाल टारगेट दिया था। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 43.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल करते हुए, ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम बैटिंग पिच माना जाता है। यहां बड़ी संख्या में आईपीएल मैच भी हो चुके हैं।

फीडे ग्रांड स्विस शतरंज

फ्रांस के अलीरेजा बने विजेता और यूएसए के करूआना उपविजेता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज रीगा , लातविया

फीडे ग्रांड स्विस के अंतिम और 11 वे राउंड मे फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें रूस के ओपरिन गृगोराय से तो यूएसए के फबियानों करूआना नें रूस के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके से ड्रॉ खेलते हुए क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल कर लिया, जबकि ओपरिन गृगोराय तीसरे स्थान पर रहे । 18 वर्षीय अलीरेजा फिरौजा नें दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में यह खिताब जीतकर फीडे कैंडीडेट में जगह बनाते हुए इतिहास रच दिया उनसे पहले सिर्फ मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें 17 वर्ष की उम्र में फीडे कैंडीडेट में जगह बनाई थी पर तब फीडे कैंडीडेट 8 की जगह 11 खिलाड़ियों का होता था । यूएसए के और प्रतियोगिता के टॉप सीड फबियानों भी कैंडीडेट में अपना स्थान बनाने में सफल रहे । आपको बता दे की शतरंज में फीडे कैंडीडेट जीतने वाला खिलाड़ी ही मौजूदा विश्व चैम्पियन को चुनौती पेश करता है । भारतीय खिलाड़ियों में निहाल सरीन 6.5 अंक बनाकर 18वे स्थान पर रहे ,बड़ी बात यह रही की वह पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहे , पेंटाला हरिकृष्णा 6.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में 30वे स्थान पर रहे ,एक समय सबसे आगे चल रहे कृष्णन शशि किरण अंतिम दोनों मैच हारकर 6 अंक बनाकर 31वे स्थान पर रहे। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में रौनक साधवानी ,अर्जुन एरिगासी 5.5 अंक ,प्रग्गानंधा ,गुकेश डी 5 अंक , सेथुरमन एसपी ,सूर्या शेखर गांगुली और अधिबन भास्करन 4.5 अंक बनाने में सफल रहे ।

रीगा। फीडे ग्रांड स्विस में महिला वर्ग में चीन की सातवी वरीय लेई टिंगजी नें आखिरी मुक़ाबला हमवतन जू जिनेर से ड्रॉ खेलते हुए 9 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल कर लिया ,इस ख़िताबी जीत के साथ वह फीडे महिला कैंडीडेट के लिए जगह बनाने में कामयाब रही वही 7.5 अंक बनाने वाली जिनेर को तीसरा स्थान हासिल हुआ ।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

क्या अब आईपीएल टीम के कोच बनेंगे शास्त्री?

अहमदाबाद फ्रेंचाइजी सीवीसी कैपिटल्स से मिला ऑफर, जल्द ले सकते हैं फैसला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के साथ-साथ हेड कोच रवि शास्त्री का सफर भी समाप्त हो गया। शास्त्री का टीम इंडिया के साथ बतौर हेड कोच ये आखिरी असाइनमेंट रहा। अब पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के नए हेड कोच के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानी जाए तो शास्त्री अब आईपीएल टीम के साथ बतौर कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, शास्त्री आईपीएल से जुड़ी नई टीम सीवीसी कैपिटल्स के हेड कोच बन सकते हैं। शास्त्री एंड कंपनी को किया गया अप्रोच रिपोर्ट्स के अनुसार, अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के मालिक सीवीसी

कैपिटल्स ने रवि शास्त्री और भारतीय टीम में उनके सहयोगी बॉलिंग कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर श्रीधर के साथ संपर्क किया है। हालांकि, अभी तक इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सीवीसी ने जब शास्त्री और कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्यों के साथ अप्रोच किया था, तब वह टीम इंडिया के साथ टी-20 वर्ल्ड कप में व्यस्त थे और टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद फैसला करने का समय मांगा है। अब भारत के लिए ये टूर्नामेंट समाप्त हो गया है, ऐसे में रवि शास्त्री आईपीएल टीम के कोच बनने को लेकर जल्द ही कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

किसकी है सीवीसी कैपिटल्स

सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स एक प्राइवेट इक्विटी और इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म है। इसका यूरोपीय और एशियाई बाजारों में भारी निवेश है। सीवीसी की काफी लंबे समय से स्पोर्ट्स में रुचि रही है। कुछ समय पहले इसने स्पेनिश फुटबॉल लीग लालीगा में हिस्सेदारी खरीदी थी। यह रग्बी, वॉलीबॉल, टेनिस, मोटो जीपी और फॉर्मूला वन में भी शामिल रहा है।

अगले सीजन में 10 टीमें लेंगी हिस्सा

अगले सीजन से आईपीएल में आठ की बजाए 10 टीमें नजर आएंगी। अहमदाबाद के अलावा दूसरी नई टीम लखनऊ से होगी। संजीव गोयनका के RPSG समूह ने लखनऊ फ्रेंचाइजी को 7090 करोड़ में खरीदा है। वहीं, सीवीसी कैपिटल्स को अहमदाबाद टीम को 5625 करोड़ में खरीदा है। साथ ही मैच भी 60 के जगह 74 खेले जाएंगे। खिलाड़ियों के लिहाज से बात करें तो दो टीमें बढ़ने से कम से कम 45 से 50 नए खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने का मौका मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

एमएससीआई में शामिल होने की दौड़ में टाटा पावर, एसआरएफ सबसे आगे

नई दिल्ली। टाटा पावर और एसआरएफ को 12 नवंबर को होने वाली अर्धवार्षिक समीक्षा के दौरान एमएससीआई स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल किया जा सकता है। वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई (मॉर्गन स्टैनली कैपिटल इंटरनैशनल) अपने सूचकांकों को अर्धवार्षिक व तिमाही आधार पर फिर से संतुलित करता है। नवंबर में होने वाली इस कवायद के बाद होने वाला बदलाव 30 नवंबर से प्रभावी होगा। ब्रोकरेज हाउस एडलवाइस के विश्लेषण के मुताबिक, टाटा पावर में 24 करोड़ डॉलर का पैसिव निवेश होगा। इसके अलावा एसआरएफ में भी 23 करोड़ डॉलर की खरीदारी होगी। दोनों शेयर सोमवार को 1.5 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए।

पेटीएम आईपीओ को पहले दिन मिले 18 फीसदी आवेदन

नई दिल्ली। पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस की तरफ से पेश देश के सबसे बड़े आईपीओ को पहले दिन शाम 5 बजे तक 18 फीसदी आवेदन मिले। डिजिटल भुगतान क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इस आईपीओ के जरिये 18,300 करोड़ रुपये जुटा रही है। पेटीएम पहले ही एंकर निवेशकों को 8,235 करोड़ रुपये के शेयर आवंटित कर चुकी है। सिंगापुर की जीआईसी, कनाडा की सीपीपीआईबी, ब्लैकरॉक और अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी आदि को एंकर श्रेणी में शेयर आवंटित किए गए हैं। इस आईपीओ में 8,300 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे जबकि 10,000 करोड़ रुपये के शेयरों की द्वितीयक बिक्री होगी। इसका कीमत दायरा 2,080 रुपये से 2,150 रुपये प्रति शेयर है। कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर पेटीएम का मूल्यांकन 1.39 लाख करोड़ रुपये होगा। पेटीएम के 33.7 करोड़ पंजीकृत उपभोक्ता और 2.18 करोड़ से ज्यादा पंजीकृत मर्चेंट 30 जून, 2021 तक थे।

2 साल बाद सस्ते हो जाएंगे इलेक्ट्रिक व्हीकल, पेट्रोल-डीजल की गाड़ियों के बराबर होगी कीमत : गडकरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक कार की बिक्री को बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। फेम स्कीम के तहत इन वाहनों पर सब्सिडी दी जा रही है। हालांकि इसके बाद भी इनकी कीमत पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के मुकाबले बहुत ज्यादा है। ऐसे में केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भरोसा दिलाया है कि अगले 2 साल में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कीमतें पेट्रोल-डीजल की गाड़ियों के बराबर हो जाएंगी। गडकरी ने द सस्टेनेबिलिटी फाउंडेशन, डेनमार्क की ओर से कराए एक वेबिनार में कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल को चलाने की लागत पेट्रोल वाहनों की तुलना में बहुत कम है। इसलिए बहुत जल्द ही इन्हें बड़े स्तर पर अपनाया जाएगा। इससे इनकी कीमत में भी कमी आएगी। उन्होंने दावा किया कि दो साल बाद पेट्रोल और इलेक्ट्रिक गाड़ियां एक ही कीमत पर बिकनी शुरू हो जाएंगी।

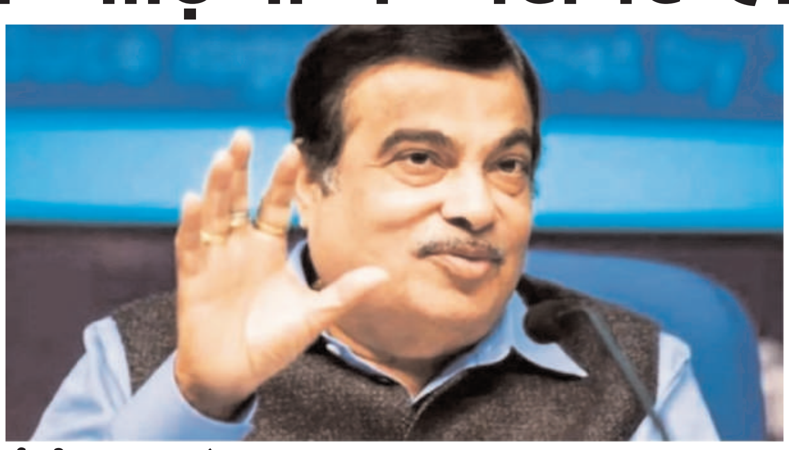

ई-व्हीकल पर लगने वाला GST सिर्फ 5 जी

गडकरी ने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल पर त्रस्ज्ञ महज 5 फीसदी है, जबकि पेट्रोल वाहनों पर 48 फीसदी है। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिक व्हीकल की बैटरी में इस्तेमाल होने वाले लिथियम की ज्यादा कीमत ने इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत को बढ़ा दिया है। हालांकि भविष्य में लिथियम के ज्यादा प्रोडक्शन से कीमतों में कमी आएगी। इसकी वजह से इलेक्ट्रिक वाहन की कीमत में भी गिरावट देखने को मिलेगी।

लिथियम बैटरी का 81 फीसदी प्रोडक्शन देश में

लिथियम बैटरी की कीमत कम करने की दिशा में काम हो रहा है। लिथियम बैटरी की कुल जरूरत का 81 फीसदी प्रोडक्शन लोकल लेवल पर हो रहा है। सस्ती बैटरी कैसे उपलब्ध कराई जाए, इस पर भी रिसर्च जारी है। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक 30 फीसदी प्राइवेट कार, 70 फीसदी तक कॉमर्शियल कार और 40 फीसदी बसें इलेक्ट्रिक हो जाएं।

चार्जिंग पॉइंट पर लगातार काम हो रहा

सरकार का लक्ष्य भारत को इलेक्ट्रिक व्हीकल का मैन्युफैक्चरिंग सेंटर बनाना है। वर्तमान में बजाज और हीरो जैसी भारतीय टू-व्हीलर कंपनियों के बनाए 50 फीसदी ई-वाहनों का निर्यात किया जाता है। अगले दो साल में देश में हजारों चार्जिंग पॉइंट बनाए जाएंगे। सड़क के साथ-साथ बाजार क्षेत्रों में 350 चार्जिंग पॉइंट लगाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। पेट्रोल पंपों को भी अपने कैंपस में ई-वाहन चार्जिंग सुविधाएं लगाने की इजाजत दी गई है।

ब्लॉकचेन पर कर की तैयारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में नॉन-फंजिबल टोकन (एनएफटी) को व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। इससे सरकार ब्लॉकचेन प्रणाली पर कर लगाने के प्रस्ताव को लेकर फिर विचार कर रही है। इस प्रणाली में क्रिप्टोकरेंसी और ऐसे डिजिटल टोकन शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि बड़ी हस्तियां एनएफटी का प्रचार कर रही हैं, जिससे उनके इस्तेमाल में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी हुई है। अब एनएफटी व्यावसायिक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हाल में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश भी बढ़ा है, इसलिए उन पर कर लगाने की जरूरत है। कर विभाग चाहता है कि क्रिप्टोकरेंसी और आधिकारिक डिजिटल करेंसी के लिए कानून बनाने से पहले व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए ब्लॉकचेन के इस्तेमाल पर कर लगाने का ढांचा लागू हो। सरकार संसद के शीत सत्र में यह कानून ला सकती है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक भारतीयों का क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करीब 6 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है और अमिताभ बच्चन एवं सलमान खान जैसे बॉलीवुड अभिनेता भी एनएफटी का प्रचार कर रहे हैं, जिससे सरकार इन पर कर लगाने के बारे में दोबारा विचार कर रही है। अभिनेता और राजनेता कमल हासन मेटावर्स में अपना डिजिटल अवतार शुरू करने वाली पहली भारतीय शख्सियत बनने जा रहे हैं। सरकार अलग से एक कानून पर काम कर रही है, जिससे आधिकारिक डिजिटल करेंसी पेश करने के लिए %मददगार ढांचा% बन पाएगा। यह करेंसी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जारी करेगा। अधिकारी ने कहा कि इस समय वर्चुअल करेंसी और एनएफटी नियंत्रित नहीं हैं, लेकिन उनका व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। अधिकारी ने कहा कि ऐसी परिसंपत्तियों पर कर लगाने का यह मतलब नहीं होगा कि उनमें लेनदेन करना वैध हो जाएगा। यह ऐसे लेनदेन पर कर लगाने का एक कदम होगा, जो इस समय कर के दायरे से बाहर हैं। अधिकारी ने कहा, %परिसंपत्तियों की वैधता की कर लगाने में कोई अहमियत नहीं है।% उन्होंने हाल के उस प्रतिनिधित्व का हवाला दिया, जिस पर वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत आने वाली कर अनुसंधान इकाई विचार कर रही है। क्रिप्टोकरेंसी पर कर लगाने की ऐसी ही योजना पर 2018 में विचार किया गया था। उस समय वर्चुअल करेंसी में कारोबार फलने-फूलने लगा था।

प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी गलतः नीलेश साठे

नई दिल्ली। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) के पूर्व सदस्य नीलेश साठे का कहना है कि सामाजिक सुरक्षा जाल के अभाव में भारत में बीमा अनिवार्यता है, लेकिन सरकार इस क्षेत्र पर भी बड़ा कर लगा रही है, भले ही वित्त क्षेत्र में अन्य को इतने बड़े कर बोझ से अलग रखा गया है। साठे बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई इनसाइट समिट के इंश्योरेंस राउंड में मुख्य वक्ता थे। उन्होंने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा, बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी बहुत ज्यादा है। साठे ने कहा, %नागरिकों के लिए किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं होने की वजह से बीमा अब अनिवार्य बन गया है। सभी जरूरी उत्पाद जीएसटी के दायरे से बाहर हैं तो प्रीमियम पर कर क्यों वसूला जाना चाहिए।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता
बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी
www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।